RNI No.: UPHIN/25/A1698

NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 203
दि. 24.11.2025,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

'समाज के सहयोग से खड़ा हो रहा संगठन', सीएम योगी बोले- संघ ने 100 वर्षों में सेवा के साथ कोई सौदेबाजी नहीं की

गीता प्रेरणा उत्सव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत भी शामिल हुए.
गीता प्रेरणा उत्सव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत भी शामिल हुए.
गीता प्रेरणा उत्सव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत भी शामिल हुए.

(जीएनएस)।

लखनऊ : राजधानी के जनेश्वर मिश्र पार्क में पहली बार आयोजित हुए दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत भी शामिल हुए. दोनों ने दीप प्रज्वलित कर इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया. इस मौके पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और सीएम योगी को श्रीमद् भागवत गीता की प्रति भी संत ज्ञानानंद ने भेंट की.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत

इस दौरान सीएम ने कहा कि राष्ट्र प्रथम के भाव के साथ हर पीड़ित संग खड़ा होना राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रेरणा है. आरएसएस ने पिछले 100 वर्षों में सेवा के साथ कोई सौदेबाजी नहीं की, लेकिन कुछ लोगों ने दुनिया व भारत में सेवा को ही सौदे के माध्यम बनाया है. वे लोभ, लालच और दबाव से भारत की डेमोग्राफी को बदलने के लिए छल व छद्म का सहारा लेकर अपना ताना-बाना बदलकर भारत की आत्मा पर प्रहार करने का प्रयास कर रहे हैं. इन स्थितियों में भगवान की वाणी श्रीमद्भगवदगीता नई प्रेरणा बन सकती है.

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीमद्भगवद गीता के 18 अध्यायों के 700 श्लोक को भारत का हर सनातन धर्मावलंबी जीवन का मंत्र मानकर आदर भाव के साथ आत्मसात करने का प्रयास करता है.

श्रीमद्भगवद गीता नई प्रेरणा देती दिखाई देती है. श्रीमद्भगवद गीता धर्म से ही शुरू होती है और अंत में भी उसी मर्म के साथ विराम लेती है.

गीता प्रेरणा उत्सव में शामिल हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

गीता प्रेरणा उत्सव में शामिल हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ (ढँङ्ग३ङ्ग ू१ैर्३ि: मुख्यमंत्री मीडिया सेल)

उन्होंने कहा कि गीता धर्म की वास्तविक प्रेरणा है. हमने धर्म को उपासना विधि मात्र नहीं माना है. उपासना विधि उसका छोटा सा भाग

है. हर व्यक्ति अपने पंथ, संप्रदाय, उपासना विधि के अनुरूप आस्था को तय कर लेता है, लेकिन मुख्य रूप से धर्म हमारे यहां जीवन जीने की कला है. हमने इसे ही 'वे ऑफ लाइफ' के रूप में कहा है.

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि श्रीमद्भगवद गीता भगवान की दिव्य वाणी है. सीएम ने श्लोक 'धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः' सुनाया. कहा दुनिया में कहीं भी ऐसा नहीं होता होगा, जहां युद्ध का मैदान धर्म क्षेत्र के रूप में जाना जाता हो, लेकिन हमने हर कर्तव्य को पवित्र भाव के साथ माना है. अच्छा करेंगे तो पुण्य और गलत करेंगे तो पाप के भागीदार बनेंगे.

सीएम योगी ने मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघ चालक डॉ. मोहन भागवत को निष्काम कर्म का प्रेरणास्रोत बताया. उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शताब्दी महोत्सव के कार्यक्रम से जुड़ रहा है. दुनिया से आए अंबेसडर, हाई कमिश्नर्स हमसे पूछते हैं कि आप लोगों का आरएसएस से जुड़ाव है, तब हम कहते हैं कि हां! हमने स्वयंसेवक के रूप में कार्य किया है.

गीता प्रेरणा उत्सव में मौजूद लोग

गीता प्रेरणा उत्सव में मौजूद लोग (ढँङ्ग३ङ्ग ू१ैर्३ि: मुख्यमंत्री मीडिया सेल)

वे इसकी फंडिंग का पैटर्न पूछते हैं, तब हम बताते हैं कि यहां ओपेक के देश या इंटरनेशनल चर्च पैसा नहीं देता. यहां संगठन समाज के सहयोग से खड़ा हो रहा है और समाज के लिए हर क्षेत्र में समर्पित भाव से कार्य करता है. किसी भी पीड़ित की जाति, मत-मजहब, क्षेत्र, भाषा की परवाह किए बिना हर स्वयंसेवक उसकी सेवा को ही अपना कर्तव्य मानता है.

सीएम ने कहा कि राष्ट्र प्रथम के भाव के साथ हर पीड़ित संग खड़ा होना राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रेरणा है. आरएसएस ने पिछले 100 वर्षों में सेवा के साथ कोई सौदेबाजी नहीं की, लेकिन कुछ लोगों ने दुनिया व भारत में सेवा को ही सौदे के माध्यम बनाया है. वे लोभ, लालच और दबाव से भारत की डेमोग्राफी को बदलने के लिए छल व छद्म का सहारा लेकर अपना ताना-बाना बदलकर भारत की आत्मा पर प्रहार करने का प्रयास कर रहे हैं. इन स्थितियों में भगवान की वाणी श्रीमद्भगवदगीता नई प्रेरणा बन सकती है.

'140 करोड़ लोगों के लिए दिव्य मंत्र है गीता' : सीएम योगी ने स्वामी ज्ञानानंद का अभिनंदन करते हुए कहा कि उन्होंने जिओ गीता को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में इसे बहुत छोटे-छोटे उदाहरण के माध्यम से प्रस्तुत करने का प्रयास किया है. श्रमिक, किसान, महिला, छात्र, नौजवान, नौकरीपेशा, चिकित्सक, अधिवक्ता, व्यापारी, योद्धा, सैनिक के लिए गीता की प्रेरणा क्या है, उन्होंने इसे जिओ गीता के माध्यम से प्रस्तुत किया है. उनकी छोटी-छोटी पुस्तकें अत्यंत प्रेरणादाई होती हैं.

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने सीमावर्ती कच्छ जिले को को एक ही दिन में 680 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की सौगात दी

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने भुज शहर से कच्छ जिले के 503 करोड़ रुपए से अधिक के 55 विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास के साथ गांधीधाम मनपा के 176 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का शिलान्यास किया

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :-

- कच्छ में उद्योगों और पर्यटन के विकास के कारण स्थानीय रोजगार के अनेक अवसर सृजित हुए
- आगामी जनवरी में राजकोट में आयोजित होने वाली सौराष्ट्रझकच्छ क्षेत्र की रीजनल कॉन्फ्रेंस से कच्छ के औद्योगिक निवेश को नया बल मिलेगा
- कच्छ को ग्रोथ हब के रूप में विकसित करने के लिए रीजनल इकोनॉमिक प्लान तैयार किया जा रहा है
- कच्छ जिले के विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण-शिलान्यास से शहरों में आंतरिक कनेक्टिविटी बढ़ेगी और यात्रा सुगम होगी

गांधीनगर, 23 नवंबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने रविवार को भुज शहर के लालन कॉलेज मैदान से सीमावर्ती कच्छ जिले को 503 करोड़ रुपए से अधिक के 55 विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने 498 करोड़ रुपए के 52 कार्यों का शिलान्यास और 5.79 करोड़ रुपए लागत के 3 कार्यों का लोकार्पण किया।

कच्छ की धरा पर पहुंचे मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से कच्छी लोगों के जीवन में आए बदलाव को लेकर कहा कि कच्छी माडूओं के जज्बे और पुरुषार्थ से जिले में विकास के नए चमत्कार हुए हैं। प्रधानमंत्री के विजन से कच्छ सबसे तेजी से विकास करने वाला जिला बना है। विनाशक भूकंप के बाद प्रधानमंत्री के विकास के विजन तथा कच्छ के नागरिकों के सहयोग से आज जिले में उद्योग-धंधे, रोजगार और पर्यटन का

तेज गति से विकास हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नर्मदा की पाइपलाइन और नहरों के नेटवर्क से कच्छ के विकास का कायाकल्प हुआ है। कच्छ का रण उत्सव, स्मृति वन और श्री श्यामजी कृष्ण वर्मा मेमोरियल कच्छी संस्कृति के विकास मंदिर बन गए हैं। उन्होंने कहा कि कच्छ जिला सुनियोजित विकास के साथ आगे बढ़ रहा है। केंद्र और राज्य सरकार ने कच्छ को दोगुनी सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। गांधीधाम को महानगर पालिका का दर्जा मिलने से विकास की गति और अधिक तेज होगी।

विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास से कच्छ में बढ़ने वाली बुनियादी ढांचागत सुविधाओं का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भुज, अंजार, अबडासा, मांडवी और रापर क्षेत्रों को 503 करोड़ रुपए से अधिक के कार्यों से विकास की नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि कच्छ जिले के शहरों को जोड़ने वाली आंतरिक सड़कों के मजबूतीकरण और नवीनीकरण से पर्यटन को गति मिलेगी और नागरिकों का आवागमन सुगम होगा। इस मौके पर उन्होंने नागरिकों से जल संचय सहित अन्य कार्यों में सहभागी होने का अनुरोध भी किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में कच्छ में दुनिया का सबसे बड़ा हाइब्रिड रिन्यूएबल एनर्जी पार्क आकार ले रहा है, जो गुजरात को रिन्यूएबल एनर्जी का हब बनाएगा। प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता से धोरडो रण उत्सव के कारण 'इंटरनेशनल टूरिज्म डेस्टिनेशन' बना है। धोरडो के सफेद रण को दुनिया के 'बेस्ट टूरिज्म विलेज' की सूची में स्थान मिला है। कच्छ में उद्योगों और पर्यटन विकास के कारण स्थानीय रोजगार के अनेक अवसर सृजित हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने राज्य के सर्वांगीण विकास के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि गुजरात के हर क्षेत्र के विकास की स्थानीय क्षमता को ध्यान में रखते हुए उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस शुरू की गई है। गुजरात में चार रीजनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन है। आगामी जनवरी में राजकोट में सौराष्ट्र-कच्छ क्षेत्र की रीजनल कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी और इससे कच्छ के औद्योगिक निवेश को नया बल मिलेगा।

विश्वस्तरीय शहरों का निर्माण करने के लिए वर्ष 2047 तक की योजना के बारे में जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरों के निकट स्थित क्षेत्रों के विकास के लिए ग्रोथ हब मॉडल लागू किया गया है। कच्छ को ग्रोथ हब के रूप में विकसित करने के लिए रीजनल इकोनॉमिक प्लान तैयार किया जा रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कच्छ जिले के नागरिकों के जोश की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने प्रशासनिक तंत्र और नागरिकों के समन्वय की प्रशंसा की। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कच्छी लोगों के जज्बे और देश के लिए सर्वस्व समर्पित करने की राष्ट्र प्रथम की भावना को अभिनंदन के पात्र बताया।

मुख्यमंत्री ने नागरिकों से प्रधानमंत्री के 2047 तक भारत को विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने के संकल्प में सहभागी होने तथा 'वोकल फॉर लोकल' और 'लोकल फॉर ग्लोबल' के मंत्र को जीवन में आत्मसात कर स्थानीय चीजों की खरीदी करने का अनुरोध किया। उन्होंने नागरिकों से आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत बनाने में आगे रहने की अपील की।

उच्च एवं तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री श्री त्रिकमभाई छांगा ने कहा कि आज विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास का समारोह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के कच्छ के प्रति विशेष प्रेम एवं भाव का परिचायक है। राज्य मंत्री ने गुजरात सरकार के कौशल वर्धन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के दृष्टिकोण को सराहते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के निर्णय से ही कच्छ में शिक्षकों की विशेष भर्ती संभव हो पाई है। कच्छ में शिक्षकों की विशेष भर्ती प्रक्रिया से और 'जहां नौकरी, वहीं सेवानिवृत्ति' के निर्णय से सुदूरवर्ती गांवों तक विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल पाएगी। उन्होंने सड़कों आदि सहित ढांचागत सुविधाओं के विकास की गुजरात सरकार की अविरत यात्रा की प्रशंसा की। राज्य मंत्री ने नागरिकों से देश के विकास में तत्परता के साथ सहभागी होने का अनुरोध किया।

एमपी भाजपा में नई ऊर्जा का संचारः श्याम टेलर युवा मोर्चा के कप्तान, अश्विनी परांजपे को महिला मोर्चा की कमान

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक मजबूती की दिशा में दो महत्वपूर्ण नियुक्तियों का ऐलान किया है। पार्टी ने ऊर्जावान और सक्रिय युवा नेता श्याम टेलर को भारतीय जनता युवा मोर्चा (इख ट) मध्यप्रदेश का प्रदेश अध्यक्ष बनाया है, जबकि अनुभवी एवं प्रतिबद्ध समाजसेवी अश्विनी परांजपे को भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दोनों नई नियुक्तियों को लेकर प्रदेशभर में भाजपा कार्यकताओं में उत्साह का माहौल है।

मध्य प्रदेश भाजपा ने शनिवार 23 नवंबर 2025 को अपने संगठन में बड़े बदलावों का ऐलान किया, जिसमें राज्य महिला मोर्चा की कमान इंदौर की प्रमुख नेता और वकील अश्विनी परांजपे को सौंपी गई। केंद्रीय संगठन महामंत्री विनोद तावड़े के निर्देश पर राज्य भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा ने इस नियुक्ति को औपचारिक रूप दिया।

अश्विनी परांजपे, जो लंबे समय से पार्टी की महिला शाखा में सक्रिय रही हैं, अब लाड़ली बहना योजना जैसे महिलाओं पर केंद्रित कार्यक्रमों को जमीन पर उतारने में अहम भूमिका निभाएंगी। यह नियुक्ति भाजपा की 2023 विधानसभा चुनाव में मिली शानदार जीत के बाद महिलाओं को संगठन में मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है।

भाजपा मुख्यालय में आयोजित संक्षिप्त समारोह में अश्विनी परांजपे ने पदभार ग्रहण करते हुए कहा, "महिला मोर्चा को मजबूत बनाना मेरा पहला लक्ष्य होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 'महिलाओं का सशक्तिकरण' के विजन को धरातल पर उतारेंगे। लाड़ली बहना योजना ने लाखों महिलाओं का जीवन बदला है, अब हम इसे और व्यापक बनाएंगे।" राज्य अध्यक्ष वी.डी. शर्मा ने नियुक्ति पर बधाई देते हुए कहा, "अश्विनी जी का संगठनात्मक अनुभव और महिलाओं के मुद्दों पर मुखरता उन्हें इस भूमिका के लिए सबसे उपयुक्त बनाती है। भाजपा हमेशा महिलाओं को आगे बढ़ाने वाली पार्टी रही है।"

अश्विनी परांजपेः संघ परिवार से जुड़ीं, इंदौर की राजनीतिक धुरी

अश्विनी परांजपे का राजनीतिक सफर संघ परिवार से जुड़ा है। वे 2000 से 2014 तक अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अइश्ढ) की सक्रिय पदाधिकारी रहीं और उसके बाद राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य भी बनीं। इंदौर की रहने वाली परांजपे एक अनुभवी वकील हैं और महिलाओं की सुरक्षा व सशक्तिकरण के मुद्दों पर हमेशा मुखर रही हैं।

वे इंदौर नगर निगम से दो बार पार्षद चुनी गईं, जहां उन्होंने महिलाओं के लिए विशेष योजनाओं पर काम किया। राज्य महिला मोर्चा की महासचिव रह चुकीं परांजपे जबलपुर जिला महिला मोर्चा की पूर्व अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। उनकी नियुक्ति को भाजपा की 'महिला उत्थान' रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, खासकर 2023 के विधानसभा चुनाव में लाड़ली बहना योजना के कारण मिली 163 सीटों की जीत के बाद।

परांजपे ने कहा, "महिलाओं को राजनीति में आगे लाना ही हमारा मिशन है। हम ग्रामीण और शहरी महिलाओं को जोड़ेंगे, स्वयं सहायता समूहों को मजबूत करेंगे और भाजपा की नीतियों को घर-घर पहुंचाएंगे।" उनके नेतृत्व में महिला मोर्चा अब 'महिला सशक्तिकरण अभियान' चलाने की तैयारी में है, जिसमें महिलाओं के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक स्वावलंबन पर फोकस होगा।

संगठन में अन्य बड़े बदलावः युवा मोर्चा को भी नई ऊर्जा

अश्विनी परांजपे की नियुक्ति के साथ ही भाजपा ने युवा मोर्चा में भी फेरबदल किया। शाजापुर के पूर्व जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष श्याम टेलर को राज्य भाजपा युवा मोर्चा का अध्यक्ष बनाया गया। टेलर ने कहा, "युवाओं को स्किल डेवलपमेंट और राष्ट्र निर्माण में जोड़ेंगे। पीएम मोदी जी के विकसित भारत के सपने को साकार करेंगे।"

इसके अलावा, मनोरंजन मिश्रा को सभी छह मोर्चों (युवा, महिला, किसान, ओबीसी, एससी, एसटी) का प्रभारी बनाया गया। आशीष तिवारी को सेल्स का प्रभार दिया गया।

'गुरु तेग बहादुर साहिब जी का बलिदान मानवता के इतिहास में अद्वितीय', आनंदपुर साहिब में बोले केजरीवाल

(जीएनएस)।

श्री आनंदपुर साहिब में नौवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी की 350वीं शहीदी शताब्दी के उपलक्ष्य में श्री अखंड पाठ साहिब का भव्य आरंभ हुआ। इस दिव्य समागम में आम आदमी पार्टी (अअढ) के संयोजक अरविंद केजरीवाल (अ१५ल्ली झी१६') भी उपस्थित हुए और गुरु साहिब जी के चरणों में नतमस्तक हुए। केजरीवाल ने कहा कि यह मानवता में दुर्लभ अवसर है जब किसी ने दूसरे धर्म की रक्षा के लिए अपना जीवन न्योछावर किया।

उन्होंने गुरु तेग बहादुर जी के इस विश्वास पर जोर दिया कि हर व्यक्ति को अपने धर्म का पालन करने का अधिकार है। इस अवसर पर सभी धर्मों के गुरु उपस्थित थे और सबने अपने विचार साझा किए।

गुरु तेग बहादुर जी का अद्वितीय बलिदान

अरविंद केजरीवाल ने श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के बलिदान को मानवता के इतिहास में अद्वितीय बताया। उन्होंने कहा कि अक्सर लोग अपने धर्म की रक्षा के लिए बलिदान देते हैं, लेकिन दूसरे धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान देना अत्यंत दुर्लभ है।

गुरु तेग बहादुर जी ने यह बलिदान देकर यह संदेश दिया कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने विश्वास और धर्म का पालन करने का पूर्ण अधिकार है, और इस अधिकार की रक्षा के लिए उन्होंने स्वयं को न्योछावर कर दिया। यह घटना हमें धार्मिक स्वतंत्रता और सहिष्णुता के महत्व को सिखाती है।

सर्वधर्म समभाव और साझा विचार

इस पवित्र समागम में सभी धर्मों के गुरु और प्रतिनिधि उपस्थित थे, जिन्होंने श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के जीवन, शिक्षाओं और बलिदान पर अपने विचार साझा किए।

सीकर शहर में ठंड के बाद जहरीली हवा का कहर, 22 लोगों की बिगड़ी तबीयत

राजस्थान के सीकर शहर में पिछले कुछ दिनों से प्रदूषण का स्तर काफी हद तक बढ़ गया है। अचानक बढ़े वायु प्रदूषण ने शहर के लोगों को काफी परेशान कर दिया है। खास तौर पर बच्चों की सेहत पर इसका गंभीर असर पड़ता दिख रहा है। हवा में जहरीले धुएं और तीखी गंध के चलते 22 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। बीमार होने वाले लोगों में से 15 बच्चे हैं। जिला प्रशासन और मेडिकल एक्सपर्ट ने खराब वायु गुणवत्ता को देखते हुए बच्चों और बुजुर्गों की सेहत का ध्यान रखने की अपील की है।

गोधरा स्टेशन पर 'शंटिंग मेला' का सफलतापूर्वक आयोजन

'शंटिंग मेला' का सफल आयोजन

वडोदरा मंडल के परिचालन विभाग द्वारा सुरक्षित ट्रेन परिचालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हाल ही में गोधरा स्टेशन पर 'शंटिंग मेला' का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री अनुभव सक्सेना द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार संरक्षा पश्चिम रेलवे के लिए सर्वोपरि है। इसी क्रम में परिचालन विभाग के कर्मचारियों के लिए गोधरा में शंटिंग मेला आयोजित किया गया, जिसमें 107 कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। सेमिनार में प्रश्नोत्तर सत्र एवं खुली चर्चा के माध्यम से प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस मेले के अंतर्गत आयोजित सेमिनार में परिचालन विभाग के रेल कर्मचारियों से शंटिंग कार्य के दौरान अपनाई जाने वाली सावधानियाँ, लोड की स्टेबलिंग के समय आवश्यक एहतियात, पावर ब्लॉक के दौरान सुरक्षा उपाय, दिन एवं रात में हाथ संकेतों का उपयोग, पॉइंट्स की क्लैम्पिंग के समय सावधानियाँ आदि के बारे में उच्च अधिकारियों द्वारा खुली चर्चा की गई और उनको संरक्षा से जुड़े इस महत्वपूर्ण मुद्दों पर जागरूक किया गया।

श्री सक्सेना ने बताया कि वडोदरा मंडल के परिचालन विभाग की यह पहल रेलवे कर्मचारियों में सुरक्षा प्रक्रियाओं को मजबूत करने, स्थितिजन्य जागरूकता बढ़ाने तथा निरंतर सीखने की संस्कृति को प्रोत्साहित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हुई है।

24 नवंबर 2025 की साबरमती-जोधपुर वंदे भारत एक्सप्रेस निरस्त

उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा जोधपुर-साबरमती-जोधपुर वंदे भारत एक्सप्रेस को अति आवश्यक मरम्मत कार्य के कारण निरस्त किया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार हैः

- 24 नवंबर 2025 की ट्रेन संख्या 12461 जोधपुर-साबरमती वंदे भारत एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।
- 24 नवंबर 2025 की ट्रेन संख्या 12462 साबरमती-जोधपुर वंदे भारत एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

मुंबई मेट्रो में शुरू हुए आम यात्रियों के लिए 996 स्मार्ट लॉकर, जानें किस रूट के यात्रियों को मिलेगी यह सुविधा

(जीएनएस)।

मुंबई मेट्रो में सफर करते हुए आम यात्रियों के लिए कई अतिरिक्त सुविधाएं शुरू की गई हैं। मेट्रो और एटॉप पेमेंट सॉल्यूशन ने मिलकर ब्लू लाइन के 12 स्टेशनों पर 996 स्मार्ट लॉकर सेवा शुरू की है। इन लॉकरों का उद्देश्य यात्रियों की लास्ट-माइल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाना है। साथ ही, ई-कॉमर्स डिलिवरी और रोज सफर करनेवाले यात्रियों के लिए यह बड़ी राहत बन सकती है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, इस नई सुविधा का लाभ लगभग 5 लाख दैनिक यात्रियों को मिलेगा। ये स्मार्ट लॉकर उन यात्रियों के लिए डिजाइन किए गए हैं जिन्हें ऑफिस, मार्केट, रेस्तरां या अन्य ट्रांसपोर्ट हब पर जाते समय शॉर्ट-टर्म स्टोरेज की आवश्यकता होती है।

ब्लू लाइन पर शुरू हुई यह सुविधा

- मुंबई मेट्रो के ब्लू लाइन पर यह सुविधा शुरू की गई है। अगर इसे सफलता मिलती है तो दूसरे रूट पर भी इसे शुरू किया जा सकता है।

- इन स्मार्ट लॉकर में यात्री खाद्य सामग्री, पर्सनल आइटम, पार्सल और ऑनलाइन ऑर्डर को सुरक्षित रूप से स्टोर कर सकते हैं।

एटॉप कंपनी पहले ही दिल्ली मेट्रो के 250 स्टेशनों पर 25,000 से अधिक लॉकर संचालित करती है। अब मुंबई की अर्बन ट्रांसपोर्ट प्रणाली में भी इसी मॉडल को लागू करने जा रही है।

इस से मिलेगी यात्रियों को बड़ी सुविधा

यात्री इन लॉकरों को मोबाइल ऐप, एसएमएस या क्यूआर कोड के जरिए आसानी से एक्सेस कर सकते हैं। ये लॉकर अलग-अलग आकार में उपलब्ध हैं। छोटे लॉकर में 5 किलो और बड़े लॉकर में 10 किलो तक का सामान रखा जा सकता है। कीमतें 20 रुपये प्रति घंटे (छोटे लॉकर) से शुरू होकर 30 रुपये प्रति घंटे (मीडियम लॉकर) तक हैं। सुरक्षित उपयोग के लिए सभी लॉकरों में 247 सीसीटीवी निगरानी और ओटीबी-बेस्ड वेरिफिकेशन की सुविधा उपलब्ध होगी।

कूरियर सर्विस और ई-कॉमर्स के लिए बेहतरीन विकल्प

स्मार्ट लॉकर का उपयोग ब्रांड प्रमोशन, टेंपरेरी स्टोरेज, रैपिड कूरियर सर्विस, और तेज ऑनलाइन ऑर्डर पिकअप-ड्रॉप के लिए किया जा सकेगा। कंपनी के अनुसार, इस बढ़ते लॉकर नेटवर्क से शहर में लॉजिस्टिक इंटीग्रेशन बेहतर होगा। साथ ही, अर्बन एमिशन कम करने में भी मदद मिलेगी। यह सिस्टम गिग वर्कर्स और छोटे बिजनेस के लिए एक विश्वसनीय कूरियर व डिलिवरी हब साबित होगा। मुंबई मेट्रो के अनुसार, 'यात्रियों की रोजमर्रा की यात्रा को अधिक सुविधाजनक और सुरक्षित बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।'

मुंबई लोकल ट्रेन के इस मेन लाइन पर रहेगा मेगाब्लॉक, प्रभावित ट्रेनों की देखिए लिस्ट

(जीएनएस)।

मंबई लोकल ट्रेन में चलने वाले यात्रियों को रविवार को परेशानी का सामना करना होगा। इसकी वजह है कि सेंट्रल रेलवे की मुंबई डिविजन 23 नवंबर रविवार को अपनी मेन मुंबई लोकल ट्रेनों की मेन लाइनों पर इंजीनियरिंग और रखरखाव कार्यों के लिए मेगाब्लॉक संचालित करेगी।

यह मेगाब्लॉक ठाणे और कल्याण स्टेशनों के बीच अप और डाउन फास्ट लाइनों पर सुबह 10:40 बजे से दोपहर 3:40 बजे तक प्रभावी रहेगा।

इस दौरान, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (CSMT) मुंबई से सुबह 09:34 बजे से दोपहर 3:03 बजे के बीच छूटने वाली डाउन फास्ट/सेमी-फास्ट लोकल सेवाओं को ठाणे और कल्याण के बीच डाउन स्लो लाइन पर डायवर्ट किया जाएगा।

ये ट्रेनें कालवा, मुंब्रा और दिवा स्टेशनों पर अपने निर्धारित हॉल्ट के अतिरिक्त रुकेंगी और गंतव्य पर 10 मिनट की देरी से पहुंचेंगी।

इसी तरह, कल्याण से सुबह 10:28 बजे से दोपहर 3:40 बजे के बीच चलने वाली अप फास्ट/सेमी-फास्ट सेवाओं को कल्याण और ठाणे के बीच अप स्लो लाइन पर डायवर्ट किया जाएगा।

ये सेवाएं दिवा, मुंब्रा और कालवा स्टेशनों पर अतिरिक्त स्टॉप लेंगी और मुलुंड स्टेशन पर अप फास्ट लाइन पर रीडायवर्ट होकर अपने गंतव्य पर 10 मिनट की देरी से पहुंचेंगी।

डाउन मेल/एक्सप्रेस ट्रेनें जो उरटळ/दादर से प्रस्थान करती हैं, उन्हें ठाणे और कल्याण स्टेशनों के बीच 5वीं लाइन पर डायवर्ट किया जाएगा।

CSMT/दादर पहुंचने वाली अप मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों को कल्याण और ठाणे/विक्रोली स्टेशनों के बीच 6वीं लाइन पर डायवर्ट किया जाएगा।

हार्बर और ट्रांस-हार्बर लाइनों पर कोई मेगाब्लॉक नहीं होगा, हालांकि बेलापुर और पनवेल के बीच एक विशेष ट्रैफिक ब्लॉक रहेगा।

रेलवे ने यात्रियों से सहयोग की अपील की है और बताया है कि ये रखरखाव मेगाब्लॉक बुनियादी ढांचे के उचित रखरखाव और सुरक्षा के लिए आवश्यक हैं। यात्रियों से असुविधा के लिए रेलवे प्रशासन के साथ सहयोग करने का अनुरोध किया गया है।

प्रभादेवी पुल प्रोजेक्ट का काम फिर अटका, 47 करोड़ रुपयों की वजह से रुका कंस्ट्रक्शन

(जीएनएस)।

मुंबई शहर के सबसे पुराने पुलों में से एक प्रभादेवी रोड ओवरब्रिज का काम एक बार फिर अटक गया है। सौ साल से ज्यादा पुराने इस पुल को गिराकर एक नया डबल डेकर पुल बनाने की योजना है। इस प्रोजेक्ट को शुरू करने से पहले ही तकनीकी और प्रशासनिक समस्याएं आई थीं। अब एक बार फिर इसका काम बीच में रोकना पड़ा है। वजह है मध्य रेलवे ने वे-लीव और अन्य तकनीकी शुल्कों में अचानक कई गुना बढ़ोतरी कर दी। पहले जहां रेलवे सिर्फ 10 करोड़ रुपये लेने को तैयार था। अब नई नीति के चलते यह मांग बढ़कर 47 करोड़ रुपये हो गई है।

रेलवे की सीमा में आने वाले 132 मीटर लंबे इस पुल को हटाकर महाराष्ट्र रेल इन्फ्रा डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (महारेल) यहां एक आधुनिक डबल-डेकर पुल बनाना चाहती है। इसे एक साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। अब वे-लीव शुल्क बढ़ने से प्रोजेक्ट लागत में भारी इजाफा तय है। इस वजह से वित्तीय संकट भी गहरा गया है।

- पुल को तोड़ने के लिए रेलवे ब्लॉक की योजना तैयार की जा रही है। इस पर महारेल, मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे के बीच लगातार बैठकें हो रही हैं।

- चर्चा का मुख्य फोकस यह है कि लोकल ट्रेन सेवा पर असर डाले बिना काम कैसे किया जाए। ब्लॉक के दौरान कौन सी मशीनरी इस्तेमाल होगी।

- मशीनरी का संचालन कैसे होगा, इन मुद्दों पर भी गंभीरता से विचार किया जा रहा है। इन मुद्दों का ब्लूप्रिंट भी बनकर तैयार हो गया है।

पश्चिम रेलवे ने भी की है 59 करोड़ की मांग

बता दें कि पश्चिम रेलवे पहले ही प्रभादेवी आरओबी के लिए 59.14 करोड़ रुपये का वे-लीव शुल्क मांग चुकी है। अब मध्य रेलवे ने वे-लीव शुल्क 10 करोड़ से बढ़ाकर 47 करोड़ कर दी है। इस नई मांग के बाद अकेले वे-लीव शुल्क ही 106 करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच जाएगा। महारेल का अनुमान है कि रेलवे क्षेत्र में पुल निर्माण पर 167 करोड़ रुपये तक का खर्च आएगा। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि दूसरे विकल्पों की तलाश की जा रही है और इसे सुलझाने की बात भी की।

वे-लीव चार्ज क्या होता है?

रेलवे की जमीन पर किसी भी तरह का निर्माण कार्य होता है, जैसे कि केबल लाइन, जल पाइपलाइन, बिजली लाइन या पुल, तो बनाने के लिए रेलवे की अनुमति लेनी होती है। इस अनुमति के बदले जो फीस ली जाती है, उसे 'वे-लीव चार्ज' कहते हैं। भारतीय रेलवे की नई नियमावली लागू होने के बाद इन शुल्कों में अचानक बड़ी बढ़ोतरी की है। प्रभादेवी आरओबी प्रोजेक्ट पर अब कुल लागत काफी बढ़ने की आशंका है, जिससे इसकी समयसीमा और बजट दोनों प्रभावित हो सकते हैं।

शिवपुरी के पिछोर में दामोदर सिंह यादव की 'संविधान बचाओ सभा' की अनुमति क्यों हुई रद्द, जानिए पूरा सच!

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश में कानून व्यवस्था को लेकर लगातार उठ रहे सवालों के बीच एक नया विवाद खड़ा हो गया है। दलित पिछड़ा समाज संगठन (उद्धरर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष दामोदर सिंह यादव ने बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि 24 नवंबर को शिवपुरी जिले के पिछोर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित होने वाली 'संविधान बचाओ सभा रैली' की अनुमति अचानक रद्द कर दी गई।

चार दिन पहले प्रशासन से मिली मंजूरी के बावजूद, सभा के एक दिन पहले एसडीएम और एसडीओपी ने इसे निरस्त कर दिया। यादव का आरोप है कि यह फैसला बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की कथा के डर से लिया गया, जो उसी दिन पिछोर में शुरू हो रही है।

शिवपुरी के पिछोर में दामोदर सिंह यादव की 'संविधान बचाओ सभा' की अनुमति रद्द होने पर उठे सवाल

यादव ने धीरेंद्र शास्त्री पर अंधविश्वास, पाखंड और आडंबर फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी रैली का मकसद लोगों को जागरूक करना था, लेकिन प्रशासन ने संविधान के पक्ष में उठने वाली आवाज को दबाने की कोशिश की है। अब उन्होंने 15 दिसंबर को पिछोर में हजारों समर्थकों के साथ आंदोलन का ऐलान किया है।

अनुमति क्यों रद्द? प्रशासन का बहाना या दबाव का खेल?

दामोदर सिंह यादव ने बताया कि 20 नवंबर को उन्होंने स्थानीय प्रशासन से रैली की अनुमति ली थी। पिछोर के एक मैदान में 'संविधान बचाओ सभा' आयोजित करने का प्लान था, जिसमें संविधान की रक्षा, दलित-पिछड़ों के अधिकार और अंधविश्वास के खिलाफ जागरूकता पर फोकस होना था। लेकिन 23 नवंबर को एसडीएम और एसडीओपी ने फोन पर सूचना दी कि "पर्याप्त पुलिस बल न होने के कारण अनुमति निरस्त की जाती है।" यादव ने सवाल उठाया, "चार दिन पहले तो पुलिस व्यवस्था पर्याप्त थी, आज क्यों नहीं? क्या मध्य प्रदेश में इतनी पुलिस नहीं कि एक शांतिपूर्ण सभा को संभाला जा सके? अगर सच में कमी है तो सरकार क्यों पुलिस भर्ती नहीं कर रही?"

यह विवाद तब और गहरा गया जब यादव ने स्पष्ट किया कि उनकी रैली का एक मुख्य उद्देश्य धीरेंद्र शास्त्री की कथा के खिलाफ प्रचार था। उन्होंने कहा, "धीरेंद्र शास्त्री अपनी कथाओं के जरिए आडंबर और पाखंड फैलाते हैं। वे दलित-पिछड़ों को वैज्ञानिक सोच से दूर कर मनुवादी विचारधारा में धकेलने का काम करते हैं। हम लोगों को जागरूक करना चाहते थे कि संविधान के मूल्यों से भटकना खतरनाक है। लेकिन उनके ऐलान के बाद ही अनुमति रद्द कर दी गई। क्या यह संयोग है या दबाव का नतीजा?"

धीरेंद्र शास्त्री की कथाः लाखों श्रद्धालुओं का जमावड़ा, सुरक्षा का सवाल

24 नवंबर से पिछोर में धीरेंद्र शास्त्री की सात दिवसीय हनुमान कथा का आयोजन होना है। बागेश्वर धाम ट्रस्ट ने लाखों श्रद्धालुओं के आने का दावा किया है। पोस्टर-पैंफलेट और सोशल मीडिया पर प्रचार जोरों पर है। ट्रस्ट ने कहा कि यह कथा संपूर्णता और एकता का संदेश देगी। लेकिन यादव का ऐलान कि वे कथा स्थल के पास ही पाखंड के खिलाफ जागरूकता फैलाएंगे, ने स्थानीय प्रशासन को चिंतित कर दिया।

पिछोर के एक स्थानीय निवासी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, "धीरेंद्र जी की कथा में लाखों लोग आएंगे, सुरक्षा का इंतजाम मुश्किल है। लेकिन उद्धरर की रैली भी शांतिपूर्ण थी। क्या दो कार्यक्रमों को एक साथ संभालना असंभव है?" जिला प्रशासन ने कहा कि निर्णय कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए लिया गया। लेकिन विपक्ष ने इसे "सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का डर" बताया।

दामोदर सिंह यादव का धमाकेदार बयानः "संविधान विरोधियों, सुन लो!"

दामोदर सिंह यादव ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में गुस्से से कहा, "प्रशासन ने चार दिन पहले अनुमति दी, तो एक दिन पहले निरस्त क्यों? क्या आडंबर-पाखंड के खिलाफ और संविधान के पक्ष में उठ रही आवाज को दबाना चाहते हैं? हम आंदोलन करेंगे, कोर्ट जाएंगे। सुन लो संविधान विरोधियों, अब मैं आऊंगा! 15 दिसंबर को पिछोर में हजारों साथियों के साथ अपने हक-अधिकारों की लड़ाई लड़ूंगा। यह सिर्फ पिछोर की नहीं, पूरे मध्य प्रदेश की लड़ाई है।"

यादव ने धीरेंद्र शास्त्री पर सीधा निशाना साधाः "वे चमत्कार दिखाकर लोगों को बेवकूफ बनाते हैं। संविधान वैज्ञानिक सोच सिखाता है, लेकिन उनकी कथाएं अंधविश्वास फैलाती हैं। हम डॉ. अंबेडकर के विचारों को जीवंत रखेंगे।" यादव ने कहा कि अगर अनुमति न मिली तो वे सड़क पर उतरेंगे - धरना, रेल रोको, हाईकोर्ट में याचिका।

कानून व्यवस्था पर सवालः पुलिस की कमी या राजनीतिक दबाव?

मध्य प्रदेश में हाल के महीनों में कानून व्यवस्था को लेकर कई विवाद उछले हैं। भिंड में पुलिस हिरासत में मारपीट, सागर में सांप्रदायिक तनाव, छतरपुर में लव जिहाद के आरोपों पर बजरंग दल की कार्रवाई - ये घटनाएं सरकार पर सवाल खड़े कर रही हैं। अब पिछोर का मामला जोड़ गया।

विपक्षी नेता कमलनाथ ने ट्वीट किया, "मोहन यादव सरकार में संविधान की आवाज दबाई जा रही है। क्या भाजपा को धीरेंद्र शास्त्री की कथा से ज्यादा डर है?" भाजपा ने कहा, "प्रशासन का निर्णय तटस्थ है। शांति बनाए रखने के लिए लिया गया।"

सवाल उठ रहे हैंः अगर पुलिस बल कम है तो भर्ती क्यों नहीं? (मध्य प्रदेश में 2024 में 7,000 से ज्यादा पुलिस पद खाली हैं।) क्या धार्मिक आयोजनों को प्राथमिकता देकर सामाजिक जागरूकता को दबाया जा रहा है? यादव के खिलाफ पहले भी धमकियां मिल चुकी हैं - क्या यह दबाव का नतीजा है?

15 दिसंबरः पिछोर में नया संग्राम?

यादव का 15 दिसंबर का ऐलान अब सियासी हलचल मचा रहा है। उद्धरर ने मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से कार्यकताओं को बुलाने का प्लान बनाया है। पिछोर में तनाव बढ़ने की आशंका है। प्रशासन ने कहा कि नए आवेदन पर विचार होगा, लेकिन यादव ने चेतावनी दी, "हम संविधान के रक्षक हैं, दबेंगे नहीं।"

यह विवाद मध्य प्रदेश की राजनीति को नई दिशा दे सकता है। एक तरफ धार्मिक आयोजन, दूसरी तरफ संवैधानिक जागरूकता - बीच में फंसी कानून व्यवस्था। दामोदर सिंह यादव की लड़ाई अब सिर्फ पिछोर तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे राज्य की हो गई है। क्या 15 दिसंबर को शांति बनी रहेगी या सियासी तूफान खड़े हो जाएगा? पूरा राज्य सांस रोके इंतजार कर रहा है।

गौतम अडानी का भारतीय ज्ञान की वैश्विक पहचान मजबूत करने में बड़ा कदम, इंडोलॉजी मिशन के लिए दिए 100 करोड़ रुपये

(जीएनएस)।

वैश्विक इंडोलॉजी कॉन्क्लेव में गौतम अडानी ने 'भारत नॉलेज ग्राफ' के लिए 100 करोड़ रुपये देने की घोषणा की। इस पहल का मकसद भारत की सभ्यतागत विरासत और ज्ञान को सुरक्षित रखना और इंडोलॉजी से जुड़े शोधकताओं को मजबूत सहयोग देना है। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने बताया कि यह डिजिटल ढांचा अपनी तरह का पहला प्रयास है, जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में हमारे प्राचीन ज्ञान को व्यवस्थित करके आने वाली पीढ़ियों के लिए तैयार करेगा।

गौरतलब है कि अडानी ग्रुप, शिक्षा मंत्रालय के भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) के सहयोग से, तीन दिवसीय वैश्विक इंडोलॉजी कॉन्क्लेव की मेजबानी कर रहा है। इसका लक्ष्य इंडोलॉजी - भारत की सभ्यता, भाषाओं, दर्शन, विज्ञान और सांस्कृतिक विरासत के वैश्विक अकादमिक अध्ययन - को पुनर्जीवित करना है। गौतम अडानी ने अपने मुख्य भाषण में कहा, "शुरूआत के तौर पर, मैं भारत नॉलेज ग्राफ के निर्माण और इंडोलॉजी मिशन में योगदान देने वाले विद्वानों व प्रौद्योगिकीविदों के समर्थन के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रारंभिक योगदान देते हुए सम्मानित महसूस कर रहा हूँ। यह सभ्यतागत ऋण का पुनर्भुगतान है।"

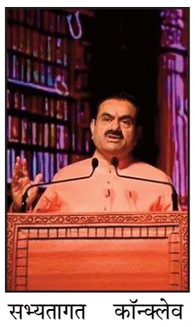

जगद्गुरु शंकराचार्य ने गौतम अडानी की पहल की सराहना की

इस कॉन्क्लेव में ज्योतिर मठ के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वह आदि शंकराचार्य से चली आ रही आचार्य परंपरा में 46वें शंकराचार्य हैं। शंकराचार्य ने कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए कहा, "जब मैंने शंकराचार्य का पद संभाला था, तब मैंने कहा था कि मेरी भूमिका तभी सार्थक होगी जब भारत विश्वगुरु बनेगा और आज, गौतम अडानी की यह पहल मेरे उसी सपने को बड़ा समर्थन दे रही है।"

ग्लोबल इंडोलॉजी कॉन्क्लेव

20 से 22 नवंबर 2025 तक अहमदाबाद स्थित अडानी कॉर्पोरेट हाउस में आयोजित यह वैश्विक इंडोलॉजी कॉन्क्लेव खास महत्व रखता है। जब दुनियाभर में इंडोलॉजी विभाग सिकुड़ रहे हैं, ऐसे समय में यह आयोजन भारत की ज्ञान परंपराओं को फिर से केंद्र में लाने का प्रयास है। इसका उद्देश्य भारत की प्राचीन ज्ञान-व्यवस्थाओं का स्वामित्व पुनः स्थापित करना और उन्हें शोध-आधारित, प्रामाणिक भारतीय दृष्टिकोण के साथ वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करना है।

अडानी ने कहा- इंसानियत से ज्यादा मशीनों के एल्गोरिदम के हिसाब से ढलने लगते हैं

गौतम अडानी ने कहा कि अगर कोई सभ्यता अपने सांस्कृतिक और भावनात्मक मूल्यों की खुद रक्षा नहीं करती, तो लोग धीरे-धीरे परंपरा और संस्कृति से दूर होने लगते हैं। उनकी सोच और व्यवहार इंसानियत से ज्यादा मशीनों के एल्गोरिदम के हिसाब से ढलने लगते हैं। यह बदलाव धीरे-धीरे और चुपचाप होता है, लेकिन इससे हम अपने देश को कैसे महसूस करते हैं, कैसे सीखते हैं और कैसे समझते हैं-सब कुछ बदल सकता है।

राजस्थान में कड़ाके की ठंड से नहीं मिलेगी राहत, आईएमडी का बारिश के लिए अलर्ट

(जीएनएस)।

राजस्थान में ठंड का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। 22 नवंबर की शाम तक पूरे प्रदेश में मौसम पूरी तरह शुष्क रहा और कहीं भी बारिश दर्ज नहीं हुई। बाड़मेर दिन का सबसे गर्म स्थान बना रहा, जबकि शेखावाटी का फतहपुर सबसे ठंडा रहा है। रविवार के लिए भी मौसम विभाग का अनुमान है कि पूरे प्रदेश में मौसम शुष्क ही रहेगा और आसमान साफ दिखेगा। हालांकि, सुबह और शाम में पारा तेजी से गिरेगा और लोगों को अच्छी ठंड लग सकती है।

मौसम विभाग (IMD) के अनुसार, अगले एक सप्ताह तक राजस्थान में मौसम स्थिर रहने वाला है। बारिश की कोई संभावना नहीं है और शुष्क मौसम के साथ ही साफ आसमान रहेगा। हालांकि, रात को पारा गिरने की संभावना है और शेखावटी हिस्से में ठंड के साथ कोहरे का भी असर नजर आएगा।

किसी भी जिले के लिए अलर्ट नहीं

- मौसम विभाग के मुताबिक, 23 नवंबर राज्य के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों में आर्द्रता का स्तर सामान्य रह सकता है। शनिवार को न्यूनतम आर्द्रता 52 प्रतिशत और अधिकतम 95 प्रतिशत दर्ज की गई थी।

- आईएमडी के अनुसार, 23 नवंबर 2025 को राजस्थान में मौसम मुख्य रूप से शुष्क और साफ रहने का अनुमान है। अधिकतम तापमान औसतन 27त्उ और न्यूनतम तापमान 13त्उ के आसपास रहने की संभावना है।

- हालांकि, रात और सुबह के समय पारा और गिर सकता है जिससे सर्दी महसूस होगी। हवा की रफ्तार 5 ेर्स्ँ के आसपास रहने का अनुमान है और आर्द्रता करीब 32 प्रतिशत रह सकती है।

- दिन में खिली धूप ने ठंड से थोड़ी राहत दी, लेकिन शाम और रात के दौरान सर्द हवाएं महसूस होती रहेंगी। आईएमडी ने रविवार के लिए कोई अलर्ट जारी नहीं किया है।

शेखावटी क्षेत्र में कड़ाके की सर्दी

मौसम विभाग का अनुमान है कि जयपुर में दिन में तापमान 26-27त्उ और रात में लगभग 12त्उ रह सकता है। माउंट आबू में तापमान शून्य के करीब पहुंच चुका है और कड़ाके की ठंड पड़ रही है। रविवार को भी पारा ज्यादा ऊपर नहीं चढ़ेगा। फतहपुर (सीकर) में न्यूनतम तापमान पहले ही 6.6त्उ तक दर्ज किया गया है। आने वाले दिनों में पारा और नीचे जा सकता है। पूरे शेखावटी क्षेत्र में इस वक्त कड़ाके की ठंड पड़ रही है। सुबह और शाम कोहरे की वजह से विजिबिलिटी भी प्रभावित है।

IMD ने तापमान गिरने का अलर्ट किया जारी

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तरी हवाओं का दबदबा अगले कुछ दिनों तक बना रहेगा। फिलहाल पश्चिमी विक्षोभ के पूरी तीव्रता से सक्रिय होने का अनुमान नहीं है। हालांकि, रात और सुबह का तापमान तेजी से गिर सकता है। फिलहाल बारिश के कोई संकेत नहीं हैं और राज्य में मौसम पूरी तरह स्थिर रहने वाला है। यह शुष्क मौसम किसानों के लिए राहत लेकर आया है। स्वास्थ्य विभाग ने बुजुर्गों और बच्चों को खास सावधानी बरतने की सलाह दी है।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

न्याय शास्त्र को मिले स्वदेशी कलेवर

भारत के अगले मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूयंकांत की चिंता उचित है कि जब हमारे पास अपने पैसले, विदेश का क्यों देते हैं उदाहरण? उन्होंने जोर दिया कि भौगोलिक, स्थानीय, सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य जैसे महत्वपूर्ण कारक अन्य देशों में भिन्न हो सकते हैं, इसलिए भारत को अपनी परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं का न्याय शास्त्र विकसित करने की आवश्यकता है। जस्टिस सूयंकांत ने बिल्वुल सही कहा है कि भारत में सरकार एक तरफ तो अभी भी अंग्रेजों द्वारा बनाए संहिताओं और कानूनों को मान्यता दिए हुए है और उन्हीं कानूनों के तहत आम जनता को न्याय दिया जा रहा है। भारतीय दंड संहिता और भारतीय दंड प्रव्रिया संहिता यानि आईपीसी और सीआरपीसी को अंग्रेजों ने इसलिए बनाया था ताकि अपने उपनिवेश की गुलाम जनता को नियंत्रित किया जा सके। इन कानूनों का मुख्य उद्देश्य ही था दंड देना न कि न्याय करना। उनके लिए तो वादी और प्रतिवादी दोनों ही गुलाम थे। कितु मौजूदा सरकार ने उनके स्थान पर अब भारतीय न्याय संहिता बनाकर स्पष्ट कर दिया कि भारत के लिए भारतीय कानून ही लागू हो सकता है, जो हमारे परिवेश के अनुवूल हैं। वुछ वकील असहज जरूर हुए कितु सरकार ने दृढ़ता से पैसले लेकर 1 जनवरी 1862 में बने आईपीसी और 1 अप्रैल 1874 को लागू हुए सीआरपीसी को 25 दिसम्बर 2023 को बदलकर भारतीय न्याय संहिता यानि बीएनएस कर दिया। अब सवाल उठता है कि यदि उपनिवेश काल के कानून बदलने और उन्हें स्वदेशी कलेवर देने में सरकार कदम उठा रही है तो हमारे न्यायिक संस्थान आखिर किस देवदूत की प्रतीक्षा में हैं जो आकर भारतीय न्यायालयों के पैसलों का संग्रह करेंगे और भारतीय न्यायिक अकादमियों जजों एवं विधि संकायों एवं संस्थानों में छात्रों को कौन पढ़ाएगा। भारतीय न्यायालयों द्वारा दिए गए पैसलों के केस स्टडी। हर जज और वकील अपने चैम्बर में एआईआर यानि आल इंडिया रिपोटर्र की महंगी जिल्द तैयार करा करके सजाते हैं। इनमें उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों के न्यायिक निर्णयों को प्रकाशित किया जाता है। कितु दुर्भाग्य से इन देशी न्यायिक निर्णयों के संग्रह का जिस तरह सदुपयोग होना चाहिए वह नहीं होता। उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के न्यायिक निर्णय भारतीय परिवेश के होते हैं, उनका इस्तेमाल होना चाहिए। न्यायिक एकेडमी की बहुत बड़ी भूमिका होती है जजों की समझ विकसित करने में कितु दुर्भाग्य से एकेडमी में जिन लोगों पर इस महान कार्य का दायित्व है, वे खुद भारतीयता से कटे होने पर गर्व महसूस करते हैं। आखिर इससे बड़ी विडम्बना भारतीय न्याय व्यवस्था की भला और क्या हो सकती है कि जो वादी अंग्रेजी न समझ सकता, न बोल सकता और न लिख सकता उसको अपनी भाषा में न्याय मिल ही नहीं सकता। जस्टिस सूयंकांत का यह तर्व बिल्वुल सही है कि जब देशी न्यायिक उदाहरण या पैसले उपलब्ध हों तो विदेशी उदाहरण नहीं दिया जाना चाहिए कितु इसके साथ ही उन्हें कार्यवाही की भाषा भी स्वदेशी और निर्णयों की भाषा भी स्वदेशी सुनिश्चित करना चाहिए तभी पूर्ण रूपेण स्वदेशी न्याय शास्त्र की परिकल्पना की जा सकती है।

क्या होता है मल्टी-पोस्ट ईवीएम, आम वोटिंग मशीन से कितना अलग? बिहार में इससे क्यों होगा पंचायत चुनाव

(जीएनएस)।

बिहार में विधानसभा चुनाव समाप्त होने के बाद अब सबकी निगाहें त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2026 पर टिकी हैं। इन चुनावों की सबसे बड़ी खासियत यह होगी कि राज्य निर्वाचन आयोग पहली बार मल्टी-पोस्ट एश्ट का उपयोग करेगा। यह तकनीक चुनाव प्रक्रिया में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने वाली है, क्योंकि अब ग्राम पंचायत सदस्य, मुखिया, पंच, सरपंच, पंचायत समिति सदस्य और जिला परिषद सदस्य जैसे छह पदों के लिए एक साथ मतदान किया जा सकेगा।

यह कदम चुनाव प्रक्रिया को अधिक कुशल, पारदर्शी और तेज बनाएगा, जिससे मतदाताओं को भी सुविधा होगी। इस आधुनिक एश्ट से बिहार के पंचायत चुनाव नई दिशा की ओर बढ़ेंगे।

क्या होता है मल्टी-पोस्ट EVM?

मल्टी-पोस्ट EVM एक उन्नत इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन है जिसे एक साथ कई पदों के लिए मतदान करने की सुविधा के लिए डिजाइन किया गया है। पारंपरिक एश्ट के विपरीत, जहाँ प्रत्येक पद के लिए अलग बैलेट यूनिट की आवश्यकता हो सकती है, मल्टी-पोस्ट EVM एक ही कंट्रोल यूनिट से कई बैलेट यूनिट को जोड़कर छह से आठ अलग-अलग पदों के लिए वोट डालने की अनुमति देता है। इससे मतदान प्रक्रिया तेज और सुव्यवस्थित हो जाती है, क्योंकि मतदाता को बार-बार अलग-अलग मशीनों का उपयोग नहीं करना पड़ता। यह विशेष रूप से त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों जैसे बड़े स्थानीय चुनावों के लिए उपयोगी है, जहाँ वार्ड सदस्य से लेकर जिला परिषद सदस्य तक कई पदों के लिए एक साथ मतदान होता है।

पहली बार मल्टी-पोस्ट एश्ट का उपयोग

राज्य निर्वाचन आयोग पहली बार मल्टी-पोस्ट EVM के माध्यम से पंचायत आम चुनाव 2026 कराने की तैयारी कर रहा है। आयोग ने इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ECIL), हैदराबाद को 32 हजार से अधिक मल्टी-पोस्ट EVM

खरीदने का आदेश दिया है। इन एश्ट के साथ पावर पैक, टोटलाइजर मशीन और डिटैचेबल मेमोरी मॉड्यूल भी खरीदे जा रहे हैं। ये नए EVM M-3 मॉडल की पुरानी मशीनों की जगह लेंगे, जिससे पंचायत चुनाव के सभी छह पदों के लिए एक साथ मतदान संभव हो सकेगा।

NOTA का विकल्प नहीं

बिहार के आगामी पंचायत चुनावों में एक बड़ा बदलाव आने वाला है: अब मल्टी-पोस्ट EVM का इस्तेमाल होगा, लेकिन इसमें नोटा (NOTA) का विकल्प नहीं मिलेगा। ये नए EVM एक साथ आठ पदों तक के लिए चुनाव करा सकते हैं, हालांकि पंचायत चुनावों में छह पद (वार्ड सदस्य, मुखिया, पंच, सरपंच, पंचायत समिति सदस्य और जिला परिषद सदस्य) होते हैं, जिनके लिए एक साथ मतदान होगा। यदि किसी पद पर 15 से अधिक प्रत्याशी हुए, तो दो बैलेट यूनिट की आवश्यकता होगी। हर बूथ पर एक कंट्रोल यूनिट और छह बैलेट यूनिट वाले इन EVM से ही मतदान और मतगणना होगी। पंचायत चुनाव आमतौर पर 10 चरणों में कराए जाते हैं। यह नई व्यवस्था चुनावी प्रक्रिया को अधिक सुव्यवस्थित बनाएगी।

आरक्षण रोस्टर में होगा बड़ा बदलाव

बिहार पंचायती राज अधिनियम 2006 के तहत, मुखिया और सरपंच जैसे पदों पर आरक्षण में हर 10 वर्ष पर बदलाव किया जाता है। आगामी पंचायत आम चुनाव 2026 में यह बदलाव लागू होगा, जिससे संभावित प्रत्याशियों को अपने निर्वाचन क्षेत्रों में आरक्षण की नई कैटेगरी पर ध्यान देना होगा। यह बदलाव पंचायत निर्वाचन नियमावली के प्रावधानों के तहत होता है, जो चुनाव मैदान में उतरने वाले उम्मीदवारों के लिए रणनीति तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

चुनाव की तैयारी और संभावित समय-सीमा

राज्य निर्वाचन आयोग पंचायत आम चुनाव और मतगणना परिणामों को लेकर कई इलेक्ट्रॉनिक गैजेट का पहली बार प्रयोग करेगा। ये चुनाव आमतौर पर नवंबर-दिसंबर 2026 में होने की संभावना है, हालांकि आधिकारिक अधिसूचना अप्रैल से जुलाई 2026 के बीच जारी की जा सकती है। यह चुनाव आमतौर पर 10 चरणों में कराए जाते हैं। इन बदलावों के साथ, बिहार में आगामी पंचायत चुनाव पारदर्शिता और दक्षता के नए आयाम स्थापित करने के लिए तैयार हैं।

बिहार में मां के दूध में यूरेनियम! 40 केस मिले, वैज्ञानिक ने बताई सच्चाई – क्या बच्चे वाकई खतरे में हैं?

(जीएनएस)।

बिहार से आई एक वैज्ञानिक रिपोर्ट ने पूरे देश को चौंका दिया है। रिसर्च में दावा किया गया कि राज्य के छह जिलों की स्तनपान कराने वाली 40 महिलाओं के ब्रेस्ट मिल्क के सैंपल में यूरेनियम मिला है। पहली नजर में यह जानकारी बेहद डराने वाली लगती है और स्वाभाविक है कि लोग नवजात शिशुओं की सेहत को लेकर चिंतित हो जाएं। लेकिन इसी बीच नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी यानी ठऊटअ के शीर्ष वैज्ञानिक और न्यूक्लियर एक्सपर्ट डॉ. दिनेश के असवाल ने बड़ी राहत देने वाला बयान दिया है।

उन्होंने साफ कहा कि इस रिपोर्ट में पाया गया यूरेनियम का स्तर हल्ड की सीमा से कई गुना कम है और इससे घबराने की कोई जरूरत नहीं है। आखिर क्या है पूरा मामला, किस रिपोर्ट ने हड़कंप मचाया और ठऊटअ वैज्ञानिक ने क्यों कहा कि "स्तनपान बिल्कुल सुरक्षित है"? आइए समझते हैं।

□ 6 जिलों में ब्रेस्ट मिल्क में मिला यूरेनियम, 40 महिलाओं की जांच में चौंकाने वाले तथ्य

नेचर जर्नल में पब्लिश शोध में पटना के महावीर कैंसर संस्थान, अक्क्टर दिल्ली और अन्य संस्थानों के वैज्ञानिकों ने 2021 से 2024 के बीच

बिहार के भोजपुर, समस्तीपुर, बेगूसराय, खगड़िया, कटिहार और नालंदा जिलों में 40 स्तनपान कराने वाली महिलाओं के ब्रेस्ट मिल्क के सैंपल लिए।

रिसर्च में पाया गया कि सभी महिलाओं के दूध में यूरेनियम-238 मौजूद था, जिसकी मात्रा 0 से 5.25 ॅ/छ के बीच थी। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई कि 70% नवजातों में "संभावित नॉन-कार्सिनोजेनिक रिस्क" दिखा, हालांकि यह खतरा "सैद्धांतिक" बताया गया।

□ वैज्ञानिकों की चेतावनी: ग्राउंडवॉटर में यूरेनियम बढ़ रहा है

स्टडी में कहा गया कि बिहार समेत देश के 18 राज्यों और 151 जिलों में भूजल में यूरेनियम की समस्या बढ़ रही है। शोधकताओं ने यह भी कहा कि नवजात शिशु, मां की तुलना में अधिक संवेदनशील होते हैं क्योंकि उनके शरीर में रियल-टाइम यूरेनियम एलिमिनेशन की क्षमता कम है। रिपोर्ट में यह भी सुझाव दिया गया कि प्रभावित जिलों में व्यापक स्तर पर बायो-मॉनिटरिंग की जरूरत है।

□ NDMA वैज्ञानिक का बड़ा बयान: "यह खतरे वाली बात नहीं, घबराने की बिलकुल जरूरत नहीं"

जब यह रिपोर्ट सुर्खियों में आई तो लोगों में डर बढ़ गया। सोशल मीडिया पर कई दावा करने लगे कि बिहार में बच्चों पर कैंसर का खतरा मंडरा रहा है। इसी बीच न्यूक्लियर वैज्ञानिक और ठऊटअ के सदस्य डॉ। दिनेश के। असवाल ने NDTV से बात करते हुए बड़े तथ्य सामने रखे।

उन्होंने कहा, "यह स्तर बिल्कुल सुरक्षित सीमा में है। हल्ड की परमिसिबल लिमिट पीने के पानी में 30 स्रस्रु है, जबकि बिहार के सैंपल में सिर्फ 5 स्रस्रु पाया गया। यह उससे छह गुना कम है।"

डॉ. असवाल ने साफ कहा कि यह किसी भी रूप में 'पब्लिक हेल्थ कंसर्न' का मामला नहीं है। उन्होंने आगे कहा, "घबराने की कोई जरूरत नहीं है। माताएं बिना किसी डर के बच्चों को स्तनपान कराएं।"

□ AIIMS दिल्ली के वैज्ञानिक का मत: "असर कम, स्तनपान जारी रखें"

अध्ययन के सह-लेखक डॉ. अशोक शर्मा (AIIMS दिल्ली) ने भी कहा, यूरेनियम की मात्रा परमिसिबल लिमिट के भीतर है। वास्तविक स्वास्थ्य प्रभाव "बहुत कम" है। माताएं स्तनपान बंद न करें। उन्होंने बताया कि हालांकि 70% बच्चों में संभावित रिस्क दिखा, लेकिन यह सिर्फ एक वैज्ञानिक आकलन है, न कि तुरंत खतरे का संकेत।

□ दुनिया भर में मिट्टी और पानी में मिलता है यूरेनियम

डॉ. असवाल ने बताया कि यूरेनियम प्राकृतिक रूप से मिट्टी और चट्टानों में मौजूद होता है। यह बहुत छोटी मात्रा में खाने, पानी और हवा के जरिए शरीर में पहुंचता है। लेकिन इसका ज्यादातर हिस्सा मूत्र के जरिए बाहर निकल जाता है और ब्रेस्ट मिल्क में बहुत कम आता है।

अध्ययन का उद्देश्य था, ब्रेस्ट मिल्क में यूरेनियम की मौजूदगी समझना, माताओं और शिशुओं में संभावित रिस्क की गणना, उन इलाकों की पहचान करना जहां भूजल में यूरेनियम ज्यादा है। यह रिसर्च आगे नीति निर्धारण और ग्राउंडवॉटर क्वालिटी सुधारने में मदद करेगी।

□ क्या नवजातों पर खतरा है? विशेषज्ञ क्या कहते हैं

सभी विशेषज्ञ एक बात पर एकमत हैं, नवजातों के लिए फिलहाल कोई वास्तविक खतरा नहीं है। स्तनपान रोकना सबसे बड़ी गलती होगी। उन्होंने कहा कि माताओं को घबराने नहीं है, जागरूक रहने की जरूरत है। हल्ड और वठकउएक्र भी स्तनपान को "सर्वश्रेष्ठ पोषण" मानते हैं और उससे दूर रहने को शिशु स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक बताते हैं।

महाराष्ट्र और मुंबई में क्या चक्रवात सेनयार मचाएगा तबाही? भारत मौसम विज्ञान विभाग की जानें भविष्यवाणी

बंगाल की खाड़ी में एक नई मौसमी प्रणाली सक्रिय हो रही है, जिससे चक्रवात सेनयार (रील्ल८१) बनने की संभावना है। यह प्रणाली महाराष्ट्र के कई हिस्सों, विशेषकर मुंबई, में आगामी दिनों में मौसम को प्रभावित कर सकती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने 22 नवंबर के आसपास एक निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की पहचान की थी, जिसके 24 नवंबर तक गहरे दबाव में बदलने की उम्मीद है।

मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यह चक्रवाती प्रणाली महाराष्ट्र के तटीय क्षेत्रों में नमी लेकर आएगी। इसी के चलते मुंबई, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जैसे कोंकण बेल्ट में 23 और 24 नवंबर को हल्की बारिश का अनुमान है।

महाराष्ट्र के किन जिलों में होगी बारिश?

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि यह मौसमी बदलाव महाराष्ट्र के तटीय इलाकों की ओर नमी खींचेगा, जिससे राज्य में लंबे समय से चल रहे शुष्क मौसम का अंत हो सकता है। पूर्वानुमानों के मुताबिक, 23 और 24 नवंबर को कोंकण तट पर हल्की बारिश की संभावना है, जिसमें मुंबई, रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग जैसे जिले शामिल हैं।

मुंबई में क्‍या होगी बारिश?

मुंबई में हल्की से मध्यम बारिश

हो सकती है, खासकर तटीय और पश्चिमी भागों में अधिक वर्षा दर्ज की जा सकती है। यह बारिश भले ही तेज न हो, लेकिन इससे मौजूदा शुष्क और गर्म माहौल से कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। 24 नवंबर को दोपहर और शाम के समय बादलों की आवाजाही बढ़ सकती है, जिससे शहर में कुछ समय के लिए उमस भरा मौसम रहने की संभावना है। हालांकि, चक्रवात सेनयार का मुख्य प्रभाव अभी भी मुख्य भूमि से दूर अंडमान और निकोबार द्वीप समूह पर केंद्रित है, जहाँ भारी बारिश और समुद्र में तेज लहरें उठने की आशंका है।

मौसम विशेषज्ञों ने दी ये सलाह

फिलहाल, मुंबई या पुणे के लिए कोई गंभीर मौसम चेतावनी जारी नहीं की गई है। फिर भी, मौसम विशेषज्ञों ने निवासियों, खासकर तटीय महाराष्ट्र के लोगों को, पूर्वानुमानों पर बारीकी से नजर रखने की सलाह दी है। जैसे-जैसे यह प्रणाली विकसित होगी, स्थानीय मौसम केंद्र समय पर अपडेट प्रदान करते रहेंगे।

किन क्षेत्रों को करेगा प्रभावित?

स्काईमेट वेदर के अनुसार, चक्रवात सेनयार 25-26 नवंबर तक बंगाल की खाड़ी में बन सकता है और इसके तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और ओडिशा के तटों की ओर बढ़ने की संभावना है। हालांकि, मौसम विज्ञानी अभी भी इसकी दिशा और तीव्रता को लेकर अनिश्चित हैं, क्योंकि दो अलग-अलग सकुर्लेशन सिस्टम – एक श्रीलंका/कोमोरिन सागर के पास और दूसरा मलक्का के पास – सक्रिय हैं।

उ८ू'ङ्ग्ल्ली रील्ल८१ क्‍ या महाराष्ट्र में मचाएगा तबाही?

चक्रवात सेनयार का मुख्य प्रभाव महाराष्ट्र के तट से दूर रहेगा। इसका सबसे ज्यादा असर अंडमान और निकोबार द्वीप समूह पर भारी बारिश और बेहद खराब समुद्री परिस्थितियों के साथ पड़ने की आशंका है। पुणे शहर पर इस प्रणाली का खास प्रभाव नहीं दिखेगा। यहां आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं और रात के तापमान में हल्की वृद्धि हो सकती है, लेकिन व्यापक बारिश की संभावना नहीं है।

IMD ने मुंबई, पुणे के लोगों को दी ये सलाह

वर्तमान में, IMD ने मुंबई या पुणे के लिए कोई गंभीर चेतावनी जारी नहीं की है। फिर भी, विशेषज्ञों ने तटीय महाराष्ट्र के निवासियों को स्थानीय मौसम अपडेट्स पर ध्यान देने की सलाह दी है, क्योंकि इस प्रणाली की तीव्रता और दिशा में बदलाव आ सकता है। मौसम एजेंसियां स्थिति पर लगातार नजर रख रही हैं और आवश्यक होने पर अतिरिक्त जानकारी जारी करेंगी।

राजस्थान रॉयल्स के सभी 7 मैच होंगे बाहर! जयपुर में नहीं, कारण जान उड़ जाएंगे होश

(जीएनएस)।

राजस्थान रॉयल्स आईपीएल में अपने घरेलू मैच दो मैचों पर खेलती है। पहला नाम जयपुर का सवाई मानसिंह स्टेडियम है, जो शुरू से ही टीम का ग्राउंड रहा है। इसके बाद असम के गुवाहाटी में स्थित बरसापाड़ा स्टेडियम भी इस टीम का दूसरा वेन्यू बन गया। अब एक चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है।

क्रिकबज की एक रिपोर्ट में सामने आया है कि राजस्थान रॉयल्स ने जयपुर को छोड़ दूसरा स्टेडियम तलाशना शुरू कर दिया है। अगर ऐसा होता है, तो आगामी आईपीएल में राजस्थान में एक भी मुकाबला देखने को नहीं मिलेगा और फैन्स के लिए यह बड़ा झटका होगा।

रिपोर्ट के मुताबिक राजस्थान रॉयल्स मैनेजमेंट की नजर अब पुणे के गहुंजे स्थित एमसीए स्टेडियम पर है। बताया जा रहा है कि

आरआर अधिकारियों और महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन के बीच शुरूआती बातचीत भी हो चुकी है। रॉयल्स की ऑपरेशंस टीम ने वहां का दौरा भी किया है। वहां उन्होंने एमसीए स्टेडियम, आसपास के होटल, एयरपोर्ट कनेक्टिविटी और अन्य लॉजिस्टिक सुविधाओं का जायजा लिया।

शिफ्ट के पीछे मुख्य वजह राजस्थान क्रिकेट संघ के बीच चल रहे विवाद को माना जा रहा है। पिछले सीजन में आरसीए के एक अधिकारी ने राजस्थान रॉयल्स के ऊपर मैच फिक्सिंग के आरोप लगाए थे। इसके बाद राजस्थान रॉयल्स ने उस अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए आरोपों को खारिज कर दिया था। अगर राजस्थान रॉयल्स के लिए पुणे स्थित स्टेडियम फाइनल होता है, तो वहां चार मुकाबले खेले जा सकते हैं। बचे हुए तीन होम मैच गुवाहाटी में खेले जाएंगे। इस तरह टीम का नाम राजस्थान रॉयल्स होगा और जयपुर में मैच एक भी नहीं होगा। वेन्यू को लेकर अंतिम फैसला बीसीसीआई के ऊपर निर्भर होगा। पिछले आईपीएल में जीत के बाद बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में भगदड़ के दौरान कई लोगों की जान चली गई थी, इस वजह से अब वहां मैच नहीं होंगे।

'क्योंकि सास भी बहू थी' फेम एक्ट्रेस बनीं दुल्हनियां, 23 साल के लिव-इन रिलेशन के बाद बॉयफ्रेंड से रचाई शादी

(जीएनएस)।

'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' धारावाहिक के जाने-माने कलाकार अश्लेषा सावंत और संदीप बसवाना ने 23 साल के लंबे रिश्ते के बाद आखिरकार शादी कर ली है। यह जोड़ा, जो अपने स्थिर रिश्ते के लिए हमेशा सराहा गया है, ने एक शांत और अंतरंग समारोह में अपनी शादी को आधिकारिक बनाया। उनकी नई जारी की गई शादी की तस्वीरें इंटरनेट पर धूम मचा रही हैं।

इन तस्वीरों में दोनों को खुशी से झूमते हुए और मैचिंग पेस्टल गुलाबी पोशाक पहने देखा जा सकता है। कुछ तस्वीरों में वे माला पहने हुए भी नजर आ रहे हैं। अश्लेषा और संदीप ने अपने प्रियजनों की मौजूदगी में अपने रिश्ते को एक नया आयाम दिया। दुल्हन अश्लेषा ने हल्के ब्लश गुलाबी रंग की साड़ी चुनी, जिसमें नाजुक कढ़ाई और चमचमाते चांदी के विवरण थे।

वहीं, संदीप ने कढ़ाई वाले पेस्टल शेरवानी और मैचिंग पगड़ी में उनका

साथ दिया। उन्होंने अपने संयुक्त इंस्टाग्राम पोस्ट पर लिखा, "और ऐसे ही, हमने मिस्टर एंड मिसेज के रूप में एक नए अध्याय में कदम रखा... परंपरा ने हमारे दिलों में जगह बनाई। हम सभी आशीवार्दों के लिए आभारी हैं।"

जैसे ही उन्होंने तस्वीरें साझा कीं, कई हस्तियों और उनके टीवी उद्योग के सहयोगियों ने टिप्पणी अनुभाग को बधाई संदेशों से भर दिया। किश्वर मर्चेंट ने लिखा, "हे भगवान, यह अद्भुत है.. आप लोगों को बधाई।" एबिगेल पांडे ने टिप्पणी की, "आप दोनों के लिए प्यार, प्यार और केवल प्यार। बधाई हो।"

पुलकित सम्राट, दिशा परमार, सृति झा, नकुल मेहता, निधि शाह, पूजा बनर्जी, चम डारंग, सुप्रिया शुक्ला, माही विज, सुधांशु पांडे, मुस्कान बामने और अन्य सेलेब्स ने भी नवविवाहित जोड़े को बधाई दी। अश्लेषा और संदीप की प्रेम कहानी अप्रैल 2024 में बॉम्बे टाइम्स के साथ एक साक्षात्कार के दौरान सामने आई।

संदीप ने बताया कि वे कैसे रिश्ते में आए। उन्होंने कहा, "चूंकि उसका घर 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के सेट से दूर था, इसलिए वह सप्ताह में कुछ रातें मेरे घर पर बिताती थी। और वे कुछ रातें महीनों में बदल गईं और हमें एहसास हुआ कि हम एक-दूसरे के साथ खुश थे।"

उन्होंने आगे कहा, "कुछ महीनों तक साथ रहने के बाद, मैं डर गया और ब्रेकअप करना चाहता था (मुस्कुराते हुए)। लेकिन अश्लेषा ने बताया कि अगर चीजें काम नहीं करतीं तो हमारे पास हमेशा अलग होने का विकल्प था। धीरे-धीरे, हमारा बंधन मजबूत होता गया और फिर अलग होने का विचार कभी हमारे मन में नहीं आया।"

80 साल की दादी से 1.08 करोड़ की ठगी! पुलिस के नाम पर रची ऐसी साजिश, सुनकर आपके भी होश उड़ जाएंगे!

(जीएनएस)।

मुंबई में साइबर अपराधियों ने एक 80 वर्षीय वरिष्ठ महिला को 'डिजिटल अरेस्ट' का झांसा देकर 1.08 करोड़ रुपये ठग लिए। खुद को आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला बताने वाली एक महिला और उसके साथियों ने मनी-लॉन्ड्रिंग का फर्जी केस बताकर पीड़ित को धमकाया।

यह मुंबई के सबसे बड़े साइबर फ्रॉड में से एक है, जिसने साइबर सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। पुलिस ने नागपुर के एक बैंक खाते से 35 लाख रुपये फ्रीज कर दिए हैं और जांच जारी है। साइबर सेल ने नागरिकों को ऐसे फ्रॉड से बचने की सलाह दी है।

धोखाधड़ी की चौंकाने वाली शुरूआत

धोखाधड़ी की शुरूआत 27 अक्टूबर को हुई, जब पीड़ित महिला को 'विजय खन्ना' नामक एक कथित अधिकारी का फोन आया। उसने दावा किया कि महिला के आधार कार्ड का इस्तेमाल मनी-लॉन्ड्रिंग केस में हुआ है और उनका मोबाइल नंबर ब्लॉक कर दिया जाएगा। घबराई महिला की

कॉल को एक दूसरी महिला को ट्रांसफर किया गया, जिसने खुद को आईपीएस रश्मि शुक्ला बताया। यहीं से 'डिजिटल अरेस्ट' का खेल शुरू हुआ, जिसने महिला को मानसिक रूप से परेशान कर दिया।

फर्जी अरेस्ट वारंट का दिखाया डर

ठगों ने पीड़ित महिला को बताया कि वे अब 'डिजिटल अरेस्ट' में हैं और उन्हें जांच में सहयोग करना होगा, अन्यथा तत्काल गिरफ्तारी होगी। उन्हें एक फर्जी अरेस्ट वारंट भी भेजा गया। इस लगातार मानसिक दबाव और धमकियों के चलते, पीड़ित महिला ने अपनी सारी जमा पूंजी, कुल 1.08 करोड़ रुपये, ठगों द्वारा बताए गए विभिन्न खातों में ट्रांसफर कर दिए।

आरोपी का बैंक खाता फ्रीज

जब पीड़ित के बैंक खाते खाली हो गए और कॉल्स आने बंद हो गए, तब उन्हें एहसास हुआ कि वे ठगी का शिकार हुई हैं। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद सेंट्रल साइबर सेल ने केस दर्ज कर जांच शुरू की। जांच में पता चला कि एक बड़ी राशि नागपुर के हितेश महुस्कर नामक व्यक्ति के बैंक खाते में भेजी गई थी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उस खाते से 35 लाख रुपये फ्रीज कर लिए हैं। आरोपी के खिलाफ इठर और क्ळ एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

साइबर सेल का महत्वपूर्ण अलर्ट और सलाह

इस गंभीर साइबर फ्रॉड के मद्देनजर, साइबर सेल ने नागरिकों को चेतावनी जारी की है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि भारतीय कानून में 'डिजिटल अरेस्ट' जैसा कोई प्रावधान नहीं है। कोई भी पुलिस अधिकारी फोन पर न तो गिरफ्तारी कर सकता है और न ही पैसे मांग सकता है। साइबर सेल ने लोगों को डळढ साझा न करने, अनजान कॉल्स को नजरअंदाज करने और किसी भी धोखाधड़ी की स्थिति में तत्काल 1930 पर कॉल कर शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी है।

ऐतिहासिक होगा रामलला के ध्वजारोहण का कार्यक्रमः शिवेंद्र सिंह

पूराबाजार के सभी मंदिरों पर ध्वजारोहण के साथ मनाई जाएगी दीपावली

(जीएनएस)।

लखनऊ। अयोध्या श्रीराम जन्मभूमि में ध्वजारोहण समारोह से पूरा, ब्लॉक प्रमुख संघ जिलाध्यक्ष शिवेंद्र सिंह ने कहा कि श्रीराम लला के दरबार में ध्वजारोहण समारोह का कार्यक्रम है ये एक ऐतिहासिक आयोजन है। प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की मौजूदगी में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यशस्वी आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत जी द्वारा ध्वजारोहण किए जाने के ही वक्त पर पूरा ब्लॉक के सभी मंदिरों पर किया जाएगा सनातनी ध्वजारोहण, श्री अखंड रामायण और सुंदरकांड का पाठ, बांटी जाएगी मिठाइयां और देर शाम को दीपावली मनाई जाएगी। शिवेंद्र सिंह ने कहा कि इस आयोजन की खुशियों को समाज के जरूरतमंद, निराश्रित, असहाय और वृद्धजनों के साथ साझा

करने के लिए समारोह के एक दिन पहले ही ऐसे लोगों को उनके पास जाकर दीपक, तेल, बाती, मिठाई और सनातनी केसरिया ध्वज वितरित किया जाएगा। श्रीराम लला के दरबार में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित अन्य विशिष्टजनों का आगमन और यह आयोजन अयोध्या वासियों के लिए ही नहीं बल्कि समूचे हिंदू समाज के लिए होगा गर्व और ऐतिहासिक का पल। पूराबाजार के सभी मंदिरों पर ध्वजारोहण के साथ हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी सनातनी दीपावली।

निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए सत्यवान अवस्थी को किया गया सम्मानित

(जीएनएस)।

बीसलपुर ' नोएडा के सेक्टर 51 स्थित रामा पैलेस में 19 नवंबर 2025 को अमर उजाला के तत्वाधान में आयोजित राष्ट्र स्तरीय समारोह में अमर उजाला समूह के प्रबंध निदेशक आदरणीय श्री तन्मय माहेश्वरी ने अमर उजाला के बीसलपुर तहसील प्रभारी सत्यवान अवस्थी को निष्पक्ष पत्रकारिता करने के सिलसिले में

स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की ' इस मौके पर अमर उजाला के चेयरमैन परम आदरणीय श्री राजुल माहेश्वरी, निदेशक श्री वरुण

महेश्वरी, अमर उजाला संस्थान के कई वरिष्ठ अधिकारी और देश के विभिन्न स्थानों से आए अमर उजाला के प्रतिनिधि मौजूद थे ' इस समारोह में अमर उजाला से जुड़े कुछ अन्य लोगों को भी सम्मानित किया गया '

मुट्ठीगंज पुलिस ने दो बच्चों को सकुशल परिवारी जनों को किया सुपुर्द

प्रयागराज (जीएनएस)।

थाना मुट्ठीगंज पुलिस द्वारा 02 भटके हुये बच्चों (01 बालक व 01 बालिका) को सकुशल उनके परिजनों को सुपुर्द किया गया

श्रीमान पुलिस आयुक्त व श्रीमान अपर पुलिस आयुक्त महोदय के निर्देशन में व पुलिस उपायुक्त नगर व अपर पुलिस उपायुक्त नगर के कुशल पर्यवेक्षण में नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु चलाये जा रहे अभियान ह्मिशन शक्ति 5.0ह्व के तहत नगर जोन के थाना मुट्ठीगंज में गठित एंटीरोमियों स्क्वाड व मिशन शक्ति टीम को आज दिनांक 23.11.2025 को क्षेत्र में जागरूकता कार्यक्रम के दौरान सूचना मिली कि 02 बच्चे जो अपना नाम-पता नहीं बता पा रहे हैं तथा अपने माता-पिता से छोटा मुट्ठीगंज चौराहे के समीप बिछड़ गए हैं। इस सूचना पर मिशन शक्ति टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए बच्चों से पूछताछ व जांच के क्रम में बच्चों के परिजन मो0 रफीक पुत्र मो0 सिद्दीकी निवासी 109 मोहत्सिगंज थाना कोतवाली जनपद प्रयागराज व मो0 नफीस पुत्र मो0 चुन्ने निवासी 200ए मोहत्सिगंज थाना कोतवाली जनपद प्रयागराज के बारे में जानकारी मिली ।

परिजनों को बुलाकर उक्त दोनो बच्चों को सकुशल सुपुर्द किया गया । गुमशुदा बालक/बालिका से मिलकर परिजनों के चेहरे खुशी से खिल उठे तथा उनके द्वारा कमिश्नरेट प्रयागराज पुलिस के सार्थक प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की गयी ।

सराहनीय कार्य करने वाली पुलिस टीम-

1. उ0नि0 अरुण कुमार सिंह, थाना मुट्ठीगंज कमिश्नरेट प्रयागराज ।
2. उ0नि0 विकास चौधरी थाना मुट्ठीगंज कमिश्नरेट प्रयागराज ।
3. म0का0 संगीता यादव, थाना मुट्ठीगंज कमिश्नरेट प्रयागराज ।
4. का0 संजीव मोहन मिश्रा, थाना मुट्ठीगंज कमिश्नरेट प्रयागराज ।

पत्रकार पर जानलेवा हमले पर गांधी प्रतिमा पर हुआ विरोध, प्रदर्शन

(जीएनएस)।

सदियों से सुनते आए हैं कि एक अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता लेकिन उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पत्रकार सुशील अवस्थी राजन पर हुए जानलेवा हमले के विरोध में कुछ ऐसा हुआ कि इस मुहावरे के मायने ही बदल गए और समाज को एक नया प्रभात देखने को मिला।

नवंबर माह की 22 तारीख का मतलब ही दो और दो का साथ दिखता है लेकिन जब एक कलमकार साथी पर जानलेवा हमला हुआ तो दो और दो का साथ नहीं दिख रहा था, 72 घंटे गुजर जाने के बाद भी पुलिस प्रशासन द्वारा कागजी खानापूर्ति के अलावा कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई और अपराधी खुलेआम घूम रहे थे।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और भाजपा नेता नीरज सिंह द्वारा स्वयं पुलिस कमिश्नर को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश देते हुए पत्रकार सुशील अवस्थी राजन को सुरक्षा उपलब्ध कराने हेतु कहां गया था परंतु असुरक्षा की भावना और कातिलाना हमले के सदमे से गुजर रहे परिवार को न तो पुलिस द्वारा सुरक्षा उपलब्ध कराई गई और न ही पूरे प्रकरण का खुलासा किया गया बल्कि मामूली धाराओं में दर्ज मुकदमे में केवल एक व्यक्ति की गिरफ्तारी को गुडवर्क का नाम देकर कातिलाना हमले के प्रकरण को रफा दफा करना ही दिख रहा था ।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पत्रकारों के अनेक संगठन कार्यरत है और हमला जब राष्ट्रवादी परंपराओं का निर्वहन करते हुए सुदर्शन चैनल के राज्य मुख्यालय मान्यता प्राप्त पत्रकार पर हुआ तो लगता था जैसे चैनल से जुड़े अनेक पत्रकार एवं पत्रकारों की ट्रेड यूनियन के नामचीन

नेता आंदोलन और आक्रोशित रूप में अपने पत्रकार साथी पर हुए जानलेवा हमले के विरोध मे लोकभवन, विधानसभा प्रेस रूम के बाहर विरोध प्रदर्शन करते दिखाई देंगे परंतु अजीब सी शोक लहर दिखाई दे रही थी, कोई भी राम नाम सत्य का पाठ पढ़ते भी नहीं दिख रहा था और न ही कोई स्थापित पत्रकार नेता जो अपने-अपने संगठनों को उत्तर प्रदेश के जिलों में घूम-घूम कर संगठित करते नजर आते हैं वो राजधानी लखनऊ में पत्रकार पर हुए कातिलाना हमले पर खामोश थे, ऐसे में संघर्षरत पत्रकारों के हितों में आवाज उठाने वाले प्रभात ने हजरतगंज स्थित गांधी प्रतिमा पर धरने का आवाहन किया और 22 नवंबर को 2 और 2 लोगों का साथ मिलकर एक ऐसा आंदोलन बनाया जो इतिहास में नाम कर गया और सदियों से चले आ रहे मुहावरे का अर्थ बदल गया, एक अकेला प्रभात ही चला था लेकिन कौसर जहां, मनोज मिश्र, अनिल सैनी, शेखर श्रीवास्तव, आकाश शेखर शर्मा, शाश्वत तिवारी, अमन अग्रवाल, शहरयार खान, तनवीर अहमद सिद्दीकी, जितेंद्र सिंह, ज्ञानी त्रिवेदी, राजेंद्र प्रसाद, सुदर्शन न्यूज चैनल के स्टेट हेड रजत मिश्रा, क्क्ह्ख के राष्ट्रीय सचिव के विश्वदेव राव, आमोद, लखन मिश्रा, डॉ सेठ, पवन गुप्ता, बबीता ओबेरॉय, शरफुद्दीन, श्यामल, अशोक चकलाधर, टीटू छायाकार, जाहिद, नीरज उपाध्याय आदि अनेक पत्रकार जुड़ते चले गए और शासन प्रशासन के पसीने निकाल कर एक नया इतिहास बना दिया।

लखनऊ के जीपीओ स्थित गांधी प्रतिमा पर शुरू हुआ शांतिपूर्वक धरने पर जब शासन प्रशासन का कोई भी वरिष्ठ अधिकारी नहीं आया तो अपनी मांगों को लेकर सभी पत्रकार साथी राज भवन की तरफ निकले लेकिन वहां पर भी कोई फरियाद सुनने वाला नहीं था, ऐसे में मुख्यमंत्री आवास के सामने अपना दर्द लेकर चल पड़े कलमकार, जो समाज के दर्द को शासन प्रशासन के सामने लाता था आज उसकी आवाज सुनने वाला कोई अधिकारी नहीं था, लेकिन प्रभात के कदम रुक नहीं रहे थे, बोला प्रभात, चीखा प्रभात, गिरा प्रभात, साथ जो छोड़ गए थे ऐसे मित्र शेखर श्रीवास्तव का जब मिला साथ तो दौड़ा प्रभात, कदम से कदम मिलाकर चलती कौसर जहां ने बढ़ाया हौसला प्रभात का और अंधकार में खो गए अनेक प्रश्नों को फिर से दिखाया एक नया प्रभात।

1. कहां गई पत्रकारों द्वारा चयनित उत्तर प्रदेश राज्य मुख्यालय मान्यता प्राप्त संवाददाता समिति जो राष्ट्रवादी चैनल के राज्य मुख्यालय मान्यता प्राप्त वीडियो जर्नलिस्ट पर हुए कातिलाना हमले पर खामोश है, एक ज्ञापन भी नहीं ?

2. कहां गए वो पत्रकार जिन्होंने गांधी प्रतिमा पर इलेक्ट्रॉनिक चैनल के प्रतिनिधि पर पुलिसिया बर्ताव के खिलाफ प्रदर्शन किया जिसके कारण पुलिस हिरासत से बचकर योगी सरकार में जनप्रतिनिधि के रूप में स्थापित है कलमकार ?

3. आखिर कब तक चुप रहेंगे राजधानी के वरिष्ठ, गरिष्ठ, ज्ञानी, यूनियन, प्रेस क्लब के सम्मानित पत्रकार और नेतागण ?

4. आखिर कब होगा खुलासा, कब होगी अभियुक्तों की गिरफ्तारी, कब मिलेगी पत्रकार को सुरक्षा ?

लखनऊ में सनसनी! घर में घुसकर युवती की बेरहमी से हत्या, किया गिरफतार

(जीएनएस)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक दिल दहलाने वाला मामला सामने आया आपको बताते चलें की मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के धर्मावत खेड़ा गांव में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। घर के अंदर घुसकर बदमाश ने धारदार हथियार से युवती प्रियांशी की गला रेतकर हत्या कर दी सूत्रों के अनुसार, वारदात के दौरान प्रियांशी ने बचने की कोशिश की, लेकिन गंभीर चोटों के चलते तड़पती हुई घर के बाहर दरवाजे पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद क्षेत्र में भारी

तनाव और स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई है। पुलिस मौके पर मौजूद है, फोरेंसिक टीम जांच में जुटी गई और आरोपी की तलाश तेज कर दी गई है मामले ने पूरे इलाके को दहला कर रख दिया है। चन्द घंटों में थाना मोहनलालगंज क्षेत्रान्तर्गत धर्मावतखेड़ा में युवती की हत्या करने वाला अभियुक्त आलोक रावत पुत्र सतीश कुमार रावत निवासी आबादी लोनापुर थाना बीबीडी चिनहट लखनऊ उम्र करीब 20 वर्ष को पुलिस हिरासत में लिया गया है, अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

जिलाधिकारी ने मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के तहत मतदाताओं के फॉर्मो का वितरण, संग्रहण एव डिजिटाइजेशन के कार्यो का विभिन्न बूथों पर पहुँचकर किया निरीक्षण

सभी सम्बंधित अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

प्रयागराज (जीएनएस)।

जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा रविवार को मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के तहत मतदाताओं के फॉर्मो का वितरण, संग्रहण एव डिजिटाइजेशन के कार्यो का विभिन्न बूथों पर पहुँचकर निरीक्षण किया तथा सभी सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये है। ज़िलाधिकारी के द्वारा जनपद प्रयागराज में एसआईआर के तहत हो रहे मतदाता सूची के पुनरीक्षण में मतदाताओं को फॉर्म भरने में किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा उन्हें कहीं भटकना न पड़े इसलिये रविवार को विशेष अभियान

चलाने के निर्देश दिये गए थे जिसके क्रम में आज विशेष अभियान चलाया गया और सभी बीएलओ अन्य सहयोगी कर्मचारियों के साथ अपने-अपने बूथों पर उपस्थित रहे ' जिलाधिकारी के द्वारा अशोक नगर, महर्षि बाल्मीकि इंटर कॉलेज, जोन नम्बर- 2 मुट्ठीगंज वार्ड -6 तुलसीपुर एवं डीएबी इंटर कॉलेज मीरापुर सहित अन्य बूथों का निरीक्षण किया तथा बीएलओ एवं अन्य संबंधित अधिकारियों से वहाँ पर कितने मतदाता हैं उनके सापेक्ष कितने फॉर्म वितरित एवं संग्रहित किए गए और कितने फॉर्म डिजिटाइज हुए की जानकारी प्राप्त करते हुए कार्य की प्रगति बढ़ाये जाने के निर्देश दिये ' उन्होंने बीएलओ को घर-घर संपर्क अभियान बढ़ाये जाने एवं मतदाताओं से फॉर्म भरवाकर उन्हें संग्रहित करने और उनकों डिजिटाइज किए जाने के कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया है। उन्होंने बूथ पर उपस्थित लोंगो से बात कर उनकी समस्याओ को भी जाना तथा उन्हें फॉर्म भरने की प्रक्रिया एवं आवश्यक निदेर्शों की भी जानकारी दी गयी।इस अवसर पर नगर आयुक्त श्री साईं तेजा सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

प्रतिबंधित प्रजातियों के पेड़ों पर चल रही आरी, विभागीय कार्यवाही बेअसर

खखरेरू /फतेहपुर थाना क्षेत्र में वन माफियाओं का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रतिबंधित और अहम प्रजातियों के हरे-भरे पेड़ों का कटान खुलेआम हो रहा है, जबकि वन विभाग की कार्रवाई कागजों तक ही सीमित दिखाई दे रही है।

क्षेत्र में हुई ताजा घटनाओं ने साफ कर दिया है कि वन माफियाओं के सामने विभाग की निगरानी और कार्रवाई दोनों ही बेअसर साबित हो रही हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र के दरियामऊ में एक पुराने आम के पेड़ का कटान किया गया।

वहीं बसवा गांव में महुआ के हरे-भरे पेड़ को जमीन से काटकर गिरा दिया गया।

दोनों ही प्रजातियां ग्रामीणों के पर्यावरण, आजीविका और जैव

विविधता के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती हैं, फिर भी वन माफिया इनका धड़ल्ले से कटान कर रहे हैं।

सबसे हैरानी की बात यह है कि दोनों घटनाओं में वन विभाग कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर पाया और माफिया मौके से फरार हो गए।

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग किसी घटना पर कड़ी कार्रवाई का दिखावा करता है, लेकिन उसके अगले ही दिन माफियाओं द्वारा फिर से पेड़ों का कटान शुरू कर दिया जाता है।

इससे यह साफ है कि माफियाओं को विभागीय कार्रवाई का कोई डर नहीं है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि वन विभाग के कई कर्मचारियों का रवैया बेहद लापरवाह और उदासीन है।

इसका नतीजा यह है कि अवैध कटान की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैंजिससे जंगलों का अस्तित्व खतरे में हैं

घटनाओं के बाद स्थानीय लोगों में वन विभाग की कार्यशैली को लेकर गहरा आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना था कि माफियाओं की पहचान कर गिरफ्तारी की जाए,प्रतिबंधित प्रजातियों का संरक्षण सुनिश्चित किया जाए

थाना क्षेत्र में वन माफियाओं की सक्रियता और वन विभाग की निष्क्रियता मिलकर पर्यावरण को बड़ा नुकसान पहुंचा रही है।

फीनिक्स यूनाइटेड, लखनऊ में उपहारों की बारिश

- ग्राहकों के लिए यादगार बना यह सीजन

- एंड ऑफ सीजन सेल में ग्रहाकों ने टाटा नेक्सॉन, प्रीमियम बाइक और ड्रीम ट्रिप जैसे उपहार जीते

लखनऊ,: फीनिक्स यूनाइटेड मॉल, आलमबाग ग्राहकों के लिए ढेरों खुशियां लेकर आया। एंड ऑफ सीजन सेल में ग्राहकों ने उपहारों की बारिश का आनंद लिया। एंड ऑफ सीजन सेल के तहत ग्राहकों को कार से लेकर बाइक और ट्रिप जैसे ढेर सारे आकर्षक इनाम दिये गए।

फीनिक्स यूनाइटेड द्वारा आयोजित एंड ऑफ सीजन सेल में ₹5,999 या उससे अधिक की खरीदारी पर ग्राहकों को निश्चित उपहार दिये गए, साथ ही एक्साइटिंग रिवाड्र्स जीतने के लिए लकी ड्रा में हिस्सा लेने का मौका भी मिला।

इतना ही नहीं ₹14,999 या उससे अधिक की शॉपिंग करने वाले ग्राहकों को शानदार इनाम दिये गए। इसमें तल्हा खान (अतिकर रहमान) को टाटा नेक्सॉन कार, सौरभ जैन को प्रीमियम बाइक के बम्पर प्राइज जीतने का मौका मिला। साथ ही एस के शुक्ला को आईफोन 16, आनंद शर्मा को सैमसंग टीवी और रमेश को बीपीएल रेफ्रीजरेटल मिला। इतना ही नहीं, 5 लकी विनर्स को अपने ड्रीम डेस्टिनेशन पर भारत में यात्रा का भी मौका मिला। इनाम पाकर शॉपर्स के चेहरों पर खुशी देखने को मिली।

फीनिक्स मिल्स के रिटेल डायरेक्टर आपरेशंस (नॉर्थ) श्री संजीव सरीन ने कहा कि हर बार की तरह इस बार भी हम कुछ नया और रोमांचक लेकर आए हैं। इस सीजन से अच्छा अवसर भला शॉपर्स के लिए और क्या हो सकता है, जिब उन्हें अलग-अलग तरह की इनाम प्राप्त हुए। हम चाहते हैं कि लोगों का अनुभव सिर्फ.शॉपिंग तक ही सीमित न रहे, बल्कि वो एक यादगार अनुभव बने।"

भारत के टॉप स्टार आदित्य रुहेला, यूएसए के रायलर डीहार्ट इंडियन पिकलबॉल लीग का पहले संस्करण के लिए लखनऊ लेपर्ड टीम में शामिल

मुंबई, : लखनऊ लेपर्ड ने शनिवार को यहां ऑफिशियल प्लेयर्स ऑक्शन में भारत के टॉप रैंक वाले सिंगल्स प्लेयर आदित्य रुहेला और यूएसए के रायलर डीहार्ट को लेकर अपनी टीम बनाई, ताकि वे अगले महीने शुरू हो रहे इंडियन पिकलबॉल लीग के पहले संस्करण में खिताब के लिए चुनौती पेश करने की तैयारी कर सकें। द टाइम्स ग्रुप द्वारा लॉन्च की गई और मिनिस्ट्री ऑफ यूथ अफेयर्स एंड स्पोर्ट्स (MYAS) के तहत इंडियन पिकलबॉल एसोसिएशन (IPA) द्वारा मंजूर देश की एकमात्र नेशनल लीग के रूप में पहचानी जाने वाली पहली इंडियन पिकलबॉल लीग, 1 से 7 दिसंबर तक नई दिल्ली के केडी जाधव इंडोर हॉल में खेली जाएगी। प्लेयर्स ऑक्शन में छह टीमों ने तीन कॉम्पिटिटिव ग्रुप में टॉप प्लेयर्स को चुना। ये ग्रुप हैः सुपर स्टार्स प्रो इंटरनेशनल पूल, सुपर स्टार्स प्रो इंडियन पूल, और राइजिंग स्टार्स कैटेगरी। तीसरे ग्रुप में देश के बीस से ज्यादा सबसे होनहार युवा टैलेंट शामिल हैं। द टाइम्स ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर विनीत जैन ने सभी टीमों को शुभकामनाएं देते हुए कहा, ह्लआज का ऑक्शन इंडियन पिकलबॉल लीग के लिए एक बहुत ही खास पल है। मैं सच में बहुत उत्साहित हूं कि आप में से हर कोई आगे चलकर लीग को कैसे आकार देगा। पिकलबॉल दुनिया के साथ-साथ भारत में भी सबसे तेजी से बढ़ने वाला खेल है। और आपके जुनून और लगन से, मुझे यकीन है कि हम पिकलबॉल को क्रिकेट के बाद सबसे बड़ा खेल बना देंगे।

फाउंडर्स मेमोरियल डेः यूनिटी कॉलेज में दूरदर्शी संस्थापक डॉ. कल्बे सादिक साहब को श्रद्धांजलि

लखनऊ यूनिटी कॉलेज ने 23 नवंबर 2025 को फाउंडर्स मेमोरियल डे के अवसर पर अपने संस्थापक पद्म भूषण स्वर्गीय डॉ. एस. कल्बे सादिक की पाँचवीं पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया। समाज-उत्थान, शिक्षा-सुधार और समानता के प्रबल समर्थक के रूप में विख्यात जनाब के अमूल्य योगदान को गहरी श्रद्धा और कृतज्ञता के साथ याद किया गया।

समारोह की शुरूआत पवित्र कुरआन, श्रीमद् भगवद्गीता और बाइबल के पाठ से हुई, जिसने वातावरण को आध्यात्मिक गरिमा प्रदान की। प्राचार्य श्री दीपक मार्विन मैथ्यूज ने सभी विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर डॉ. फैज अब्बास अब्दी, कॉलेज सचिव श्री नजमुल हसन रिजवी, संयुक्त सचिव डॉ. एम. तल्हा, उप-प्राचार्य श्री सचेंद्र भारती, द्वितीय पाली के प्रबंधक डॉ. एस. कल्बे सिब्तैन नूरी तथा प्राचार्या सुश्री शबाना अहमद सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

मॉन्टेसरी के विद्यार्थियों ने 'ख़्वाबों की नगरी हकीकत बनाने' शीर्षक से एक मनभावन एक्शन गीत प्रस्तुत किया, जो जनाब के शिक्षा और सशक्तिकरण के संदेश को अभिव्यक्त करता था। प्राथमिक वर्ग के छात्रों ने जनाब की 'सबके लिए शिक्षा'- विशेषकर बालिकाओं की शिक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर आधारित एक प्रभावी प्रस्तुति दी।

वरिष्ठ माध्यमिक छात्रों द्वारा' डॉ. कल्बे सादिक साहब के ख़्वाब की ताबीर' नामक नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसमें ज्ञान से समृद्ध और अज्ञानता से मुक्त समाज की जनाब की परिकल्पना को जीवंत किया गया। इसके अतिरिक्त, सबा बलरामपुरी और फलक फातिमा द्वारा प्रस्तुत नज्मों ने उपस्थित सभी लोगों को भावविभोर कर दिया।

विशिष्ट अतिथियों ने अपने संबोधन में जनाब की प्रेरक विरासत और जीवन-दर्शन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का समापन सचिव श्री रिजवी के औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

समारोह के बाद अतिथियों ने ऑर्गेनिक गार्डन का दौरा किया, जहाँ ऑर्गेनिक क्लब द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने प्राकृतिक खाद निर्माण, जैविक पौधों और जैविक तथा व्यावसायिक उत्पादों के बीच अंतर को समझाया। इस गतिविधि ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति कॉलेज की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

यह आयोजन न केवल एक महान व्यक्तित्व को श्रद्धांजलि था, बल्कि करुणा, समानता, सेवा और शिक्षा जैसे उन मूल्यों का पुनः स्मरण भी था, जिन पर डॉ. सादिक ने अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया और जो आज भी यूनिटी कॉलेज के हर प्रयास का मार्गदर्शन कर रहे हैं।